संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-118 ■ रायपुर, शुक्रवार 25 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

तिथि : चतुर्दशी
नक्षत्र : शतभिषा
प्रथम करण : गारा
द्वितीय करण : वणिजा
पक्ष : शुक्ल
वार : शुक्रवार
योग : शुला
सूर्योदय : 06:11
सूर्यास्त : 18:07
चंद्रमा : कुंभ राशि में
राहुकाल : 10:39 - 12:09
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : भाद्रपद
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:45 - 12:33

कार-बस की जोरदार टक्कर, माता-पिता और दादी की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के घणाहट्टी क्षेत्र में गुरुवार को दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार को जिंदगी भर का गम दे दिया। घंडल-सोलह मील के पास कार की HRTC बस से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार बेटे ने अपनी मां, पिता और दादी को खो दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक घायल बताया जा रहा है और उसे उपचार के लिए IGMC अस्पताल पहुंचाया गया है। बताया जा रहा है कि परिवार सुबह इलाज के लिए IGMC अस्पताल पहुंचा था। दवा लेने के बाद सभी कार में सवार होकर वापस घणागुघाट लौट रहे थे। इसी दौरान घंडल-सोलह मील के पास उनकी कार HRTC बस की चपेट में आ गई। कार में दो महिलाएं और दो पुरुष सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक और घायल फांजी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

छात्रा से बदसलूकी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में एक छात्रा के साथ बदसलूकी, गालियां देने और उसे जबरन सफारी गाड़ी में खींचने की कोशिश का मामला सामने आया है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर (FIR) दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्रा का आरोप है कि सफारी सवार ने पहले उस पर कमेंट पास किए और गालियां दी।

इसके बाद आरोपी ने छात्रा और उसकी दोस्त का पीछा किया। छात्रा के मुताबिक, कुछ दूरी पर सफारी सवार ने उसे गाड़ी में खींचने की भी कोशिश की। पीड़ित छात्रा के अनुसार, यह घटना 23 सितंबर की रात लगभग 9:30 बजे हकीकत पार्क के पास की है। छात्रा अपनी दोस्त के साथ जा रही थी, तभी सफारी गाड़ी में सवार युवकों ने उन पर भद्दे कमेंट्स किए। जब पीड़िता ने ऐसा करने से मना किया तो युवक गालियां देने लगे। छात्रा का आरोप है कि जब वह उस जगह से जाने लगे तो सफारी सवार युवकों ने उनका काफी दूर तक पीछा किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

युवा शक्ति विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

युवा शक्ति विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, नवाचार की क्षमता और सेवा भावना को सही दिशा देकर समाज और राष्ट्र में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना आज देश के लाखों युवाओं को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाला व्यापक अभियान बन चुकी है। एनएसएस से जुड़ने वाला युवा केवल गतिविधियों में भाग नहीं लेता, बल्कि समाज और अपने आसपास की परिस्थितियों को अधिक संवेदनशीलता से समझना सीखता है। लोगों की समस्याओं को समझना, जिम्मेदारी लेना, टीम के साथ कार्य करना और समाधान के लिए स्वयं आगे आना - ये ऐसे संस्कार हैं, जो युवाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा के किसी कार्य को छोटा नहीं समझना चाहिए। कई बार एक युवा द्वारा किया

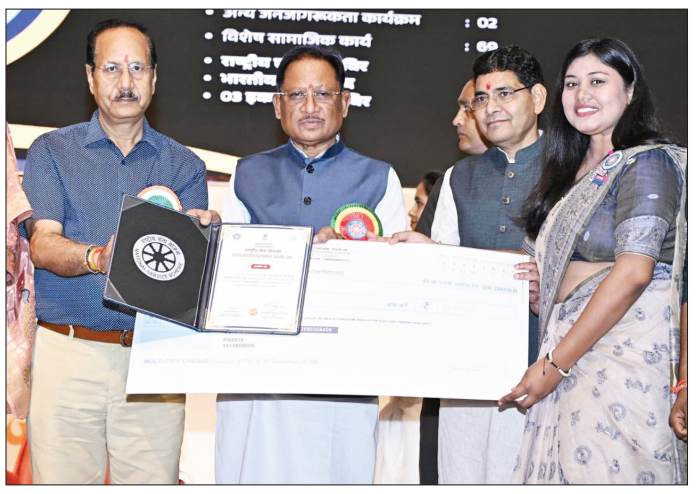

गया छोटा-सा प्रयास भी पूरे समाज को प्रेरित कर सकता है। किसी गांव में स्वच्छता के लिए पहल करना, जरूरतमंद के लिए रक्तदान करना, पौधा लगाकर उसकी देखभाल करना, जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना अथवा किसी व्यक्ति को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना - ऐसे प्रयास समाज में बड़े परिवर्तन की नींव बनते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में और अधिक सक्रिय भागीदार बनाने के उद्देश्य से 'मेरा युवा भारत' जैसा व्यापक मंच तैयार किया गया है। इसके माध्यम से युवाओं को नेतृत्व, कौशल विकास और अनुभव आधारित सीख के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

उन्होंने केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का उल्लेख करते हुए कहा कि वे स्वयं अपने विद्यार्थी जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक रहे हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि एनएसएस से मिले सेवा और नेतृत्व के संस्कार जीवन में कितनी दूर तक साथ चलते हैं।

सेवा संकल्प अभियान में बड़ी भूमिका निभाएं युवा

मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि एनएसएस और सेवा संकल्प अभियान की मूल भावना एक ही है - सेवा के लिए स्वयं आगे आना और समाज को भी सेवा कार्यों से जोड़ना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनके जन्मदिन 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में एक माह का सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। एनएसएस के युवा स्वच्छता, रक्तदान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, नशामुक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे विषयों को जनआंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से अपने महाविद्यालय और विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ गांवों, बस्तियों और शहरों में भी लोगों को इन अभियानों से जोड़ने का आग्रह किया।

स्लीपर बस में आग लगने से 9 यात्रियों की जलकर हुई मौत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात एयरपोर्ट इंटरचेंज के पास 35 किमी माइलस्टोन पर डबल डेकर स्लीपर बस आग का गोला बन गई। हादसे में बस के अंदर फंसे नौ यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। मृतकों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल बताए जा रहे हैं। आग इतनी विकराल थी कि शव बुरी तरह जलकर कंकाल में तब्दील हो गए। कई शवों के अंग तक अलग हो गए। देर रात से करीब पांच घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शवों को बस की बॉडी काटकर बाहर निकाला गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने

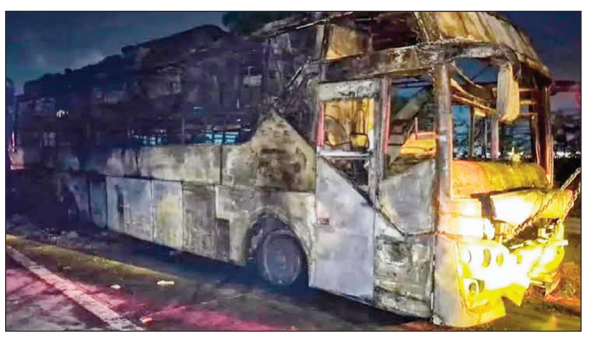

इस हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों व घायलों को मुआवजे की घोषणा की है। पीएम मोदी की एक्स पोस्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये व घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने (X) पर पोस्ट डालकर लिखा कि एक बस में दुर्भाग्यपूर्ण अग्नि दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

राज कल्पना ट्रेवल्स की बस दिल्ली से मोहबा जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शी यात्रियों के मुताबिक, एयरपोर्ट इंटरचेंज के पास चालक को बस के इंजन की ओर आग लगने का पता चला। चालक ने बस को ओवरटेकिंग लेन से एक्सप्रेसवे किनारे सोल्डर पर खड़ा किया और आग बुझाने का प्रयास किया। आग तेजी से फैलने पर चालक और परिचालक ने यात्रियों को बाहर निकलने के लिए शोर मचाया। अफरा-तफरी के बीच 20 से अधिक यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई, लेकिन 9 यात्री अंदर ही फंस गए।

इंद्रावती नदी का बढ़ेगा जलस्तर
43 गांवों पर बाढ़ का खतरा

जगदलपुर (एजेंसी)। बस्तर में लगातार हो रही बारिश के बीच इंद्रावती नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी की संभावना ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। ओडिशा के कालाहांडी जिले में स्थित खाटीगुड़ा इंद्रावती बांध का एक गेट खोला गया है। इसके चलते अगले कुछ घंटों में इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने इंद्रावती नदी के आसपास बसे गांवों में कोटवारों के माध्यम से मुनादी शुरू करा दी है। राजस्व विभाग के साथ ही एसडीआरएफ को भी अलर्ट कर दिया गया है। मौसम विभाग ने बस्तर में अगले 48 घंटों के दौरान लगातार बारिश की संभावना जताई है, जिससे नदी-नालों के जलस्तर में और बढ़ोतरी हो सकती है। प्रशासन के अनुसार इंद्रावती नदी का वार्निंग लेवल 7 मीटर और डेंजर लेवल 8.3 मीटर निर्धारित है। वर्तमान में नदी का जलस्तर लगातार

बढ़ रहा है। जलस्तर में ज्यादा वृद्धि होने की स्थिति में इंद्रावती नदी से जुड़े 43 गांव प्रभावित होने की आशंका है। बस्तर जिले में इंद्रावती, नारंगी और मार्कण्डी नदियों के आसपास के कई गांवों को बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील चिन्हित किया गया है। प्रशासन की बाढ़ निर्देशिका के अनुसार अलग-अलग तहसीलों में संभावित प्रभावित गांवों की सूची तैयार की गई है।

राहुल गांधी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर हुए खुलासे के बाद विपक्ष बीजेपी पर हमलावर है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस कर बीजेपी और चुनाव आयोग को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी पर एंटी-इंकम्बेंसी का असर नहीं हुआ, यह मेरे लिए पहेली थी। बीजेपी लगातार चुनाव कैसे जीत रही है। आज मुझे सभी सवालों के जवाब मिल गए। राहुल गांधी ने कहा कि सभी चुनावों में धांधली हुई है। लोकसभा चुनावों में भी धांधली हुई। वोट की हिफाजत करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। ज्ञानेश कुमार पर दो

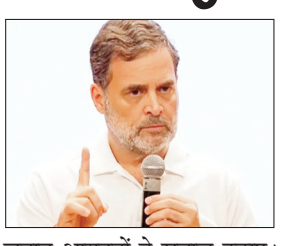

चुनाव आयुक्तों ने सवाल उठाए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कोई केस नहीं हो सकता। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी की जांच होनी चाहिए। हम वोट चोरी नहीं होने देना चाहते। वोट चोरी से चुने गए सांसद संसद में कानून बना रहे हैं। चुनाव में वोट चोरी से सांसद और विधायक चुने जा रहे हैं। मेरे खुलासे के बाद चुनाव आयुक्तों ने चिट्ठी लिखी। चुनाव आयुक्त को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। कानून बनाकर उन्हें सुरक्षा दी गई। मुख्य चुनाव आयुक्त को इस्तीफा देना चाहिए। SIR प्रोसेस में गड़बड़ियों पर 2 चुनाव आयुक्तों (ECs) की आपत्ति के बारे में 'इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, "मैं हाल ही में खबरों में रही कुछ बातों पर अपनी बात रखना चाहता हूं। मैं एक राजनीतिक परिवार से आता हूं और मैंने 50 से ज़्यादा साल एक राजनीतिक परिवार में बिताए हैं। भारत में 'एंटी-इंकम्बेंसी' (सत्ता-विरोधी लहर) नाम की एक बुनियादी ताकत है, जो बहुत तेज़ी से किसी भी सरकार का विरोध करने लगती है।

अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर विपक्षी दलों से संपर्क शुरू कर दिया है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, प्रस्ताव का नोटिस अगले दो सप्ताह के भीतर संसद में पेश किया जाएगा। INDI गठबंधन यानी विपक्षी पार्टियों ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

यह घटनाक्रम चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच बढ़े विवाद के बीच सामने आया है। हाल में सामने आई एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने आयोग के कुछ फैसलों और प्रक्रियाओं पर पिछले 10 महीनों में कई बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं। विपक्षी दलों ने इस रिपोर्ट को लेकर CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, विपक्षी दलों ने इससे पहले भी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए नोटिस दिए थे। अप्रैल 2026 में राज्यसभा में विपक्षी सांसदों की

ओर से हटाने का नोटिस दिया गया था, जिस पर 73 सांसदों के हस्ताक्षर होने की बात सामने आई थी।

दोनों सदनों में नए सिरे से प्रस्ताव पेश करने की तैयारी

अब कांग्रेस विपक्षी दलों को साथ लाकर दोनों सदनों में नए सिरे से प्रस्ताव पेश करने की तैयारी में है। हालांकि, प्रस्ताव को पारित कराने के लिए संसद में आवश्यक समर्थन जुटाना एक अलग संवैधानिक प्रक्रिया होगी।

संसद में निर्धारित प्रक्रिया का करना होता है पालन

बता दें कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत निर्धारित है। इसके लिए संसद में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होता है। वहीं, अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष एक बार फिर एकजुट हो गया है।

'राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी, असलियत को समझ नहीं पाते'

ज्ञानेश कुमार-SIR के मुद्दे पर BJP का पलटवार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और SIR के मुद्दे पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पलटवार किया है। बीजीपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि किसी जमाने में एंटी-इनकम्बेंसी कांग्रेस पर भी बेअसर थी। बीजेपी नेता ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है। वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं। उनका विवेक शून्य है। राहुल गांधी अपने दम पर एक भी सीट नहीं जीत सकते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में एंटी-

इनकम्बेंसी (मौजूदा सरकार के खिलाफ नाराजगी) एक स्थापित सच है और यह बात बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से ही देखी जा रही है। कांग्रेस के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी निश्चित रूप से बहुत लगातार और मजबूत रही है। राहुल गांधी को भारतीय राजनीति की समझ नहीं है।'

बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, '1967 के बाद से कांग्रेस तमिलनाडु में कभी सत्ता में नहीं लौटी, जबकि उस समय भारतीय जनता पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था। 1977 के बाद से कांग्रेस बंगाल में सत्ता में नहीं लौटी। वहां 1977 से 2011 तक 34 साल कम्युनिस्टों का शासन रहा, फिर भी राहुल गांधी न तो इसे समझते हैं और न ही देखते हैं। और फिर भी वे एंटी-इनकम्बेंसी का मुद्दा उठाते हैं। एक दौर ऐसा भी था जब कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही। वोटर आईडी कार्ड से पहले का दौर, जिसमें बूथ कैप्चरिंग, बैलेट बॉक्स लूटना और गोलीबारी जैसी घटनाएं होती थीं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में शायद ही कोई चुनाव ऐसा होता था जिसमें लोग मारे या घायल न हों। उस समय, कांग्रेस के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी काम नहीं करती थी।' बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि सत्ता-विरोधी भावना असल में कांग्रेस पार्टी के अंदर है, खासकर गांधी परिवार में। कांग्रेस पार्टी लगातार सौ सालों से सत्ता में रही है। लेकिन आज, सत्ता-विरोधी भावना इतनी मजबूत हो गई है कि वे किसी सहयोगी के सहारे के बिना एक भी सीट नहीं जीत सकते।

जर्जर स्कूल में पढ़ाई के दौरान हादसा, प्रधानपाठक के सिर पर गिरा पंखा

महासमुंद

जिले में शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां बच्चों को पढ़ाने के लिए संचालित जर्जर स्कूल भवन में अब शिक्षक भी सुरक्षित नहीं हैं। बागबाहरा विकासखंड के ग्राम हरनादादर स्थित शंकरपारा प्राथमिक शाला में छत पर लगा पंखा अचानक प्रधानपाठक के ऊपर गिर गया। हादसे में शिक्षक के सिर और नाक पर चोट आई है, जिन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद आनन-फानन में स्कूल के बच्चों को पास के आंगनबाड़ी केंद्र में शिफ्ट किया गया। अब सवाल उठ रहा है कि जब स्कूल भवन जर्जर था तो आखिर वहां बच्चों को क्यों पढ़ाया जा रहा। स्कूल भवन की जर्जर हालत बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। तीन कमरों के इस स्कूल भवन की हालत काफी खराब बताई जा रही है। इसके बावजूद कक्षा पहली से पांचवीं तक के 18 बच्चों की पढ़ाई इसी भवन में कराई जा रही थी।

किसान की बेटी

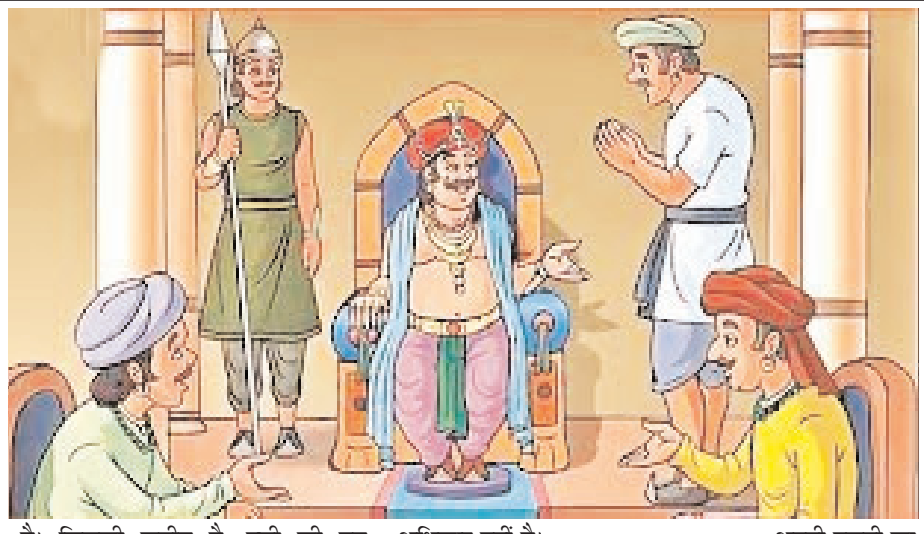

एक बहुत गरीब किसान था। वह अपनी बेटी के साथ एक छोटी सी झोंपड़ी में रहता था। उसके पास खेती करने के लिए अतनी कम ज़मीन थी कि उसकी फ़सल को बेचकर उसे बिल्कुल थोड़े से रूपए मिलते थे। उन रूपयों से वे लोग ठीक से खाना भी नहीं खा पाते थे। वह राजा के पास अपनी समस्या लेकर आया। राजा दयालु थे। उन्होंने किसान को अपनी ज़मीन में से कुछ ज़मीन दे दी, खेती करने के लिए। उन्होंने कहा, 'यह ज़मीन तो हमारी ही रहेगी, लेकिन उस पर उगने वाली फ़सल तुम्हारी होगी।' किसान ने राजा को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

एक दिन वह खेत की जुताई कर रहा था। तभी उसका हल किसी कठोर चीज़ से टकराया। उसने वहाँ खोदकर देखा तो उसे सोने की एक ओखली मिली। किसान ईमानदार था। उसने अपनी बेटी से कहा- हमें यह ओखली राजा के खेत से मिली है। जिसकी ज़मीन है, उसी की यह ओखली भी है। इसीलिए हमको इसे राजा को लौटा देना चाहिए।

किसान की बेटी बोली, नहीं पिताजी, आप ऐसा मत कीजिए। आपको सिर्फ़ ओखली मिली है। यदि राजा ने आपसे इसकी सोने की मूसल भी माँगी तो आप क्या करेंगे? आप इस ओखली को अपने ही पास रखिए।

लेकिन किसान को यह बात ठीक नहीं लगी। वह बोला, जो चीज़ हमें मिली ही नहीं, वह माँगने का राजा को कोई अधिकार नहीं है।

वह राजा के पास ओखली लेकर पहुँचा। लेकिन दरबार में ठीक वैसा ही हुआ जैसा कि किसान की बैटी ने सोचा था। राजा ने सोचा कि किसान ने लालचवश मूसल अपने पास रख ली है। किसान बेचारा सोने की मूसल कहाँ से लाकर देता! न्तीजा यह हुआ कि किसान को जेल में डाल दिया गया।

जेल में न उसे ढंग से खाना मिलता था, न पानी। किसान को ऐसी ग़लती की सज़ा दी गई थी, जो उसने की ही नहीं थी। वह खाए-पिए बिना निढाल हो गया। लेटे-लेटे वह रोता रहता था और कहता था, बेटी की बात मानी होती..... काश, मैंने अपनी बेटी की बात मानी होती!

एक दिन राजा ने उसे ऐसा कहते हुए सुन लिया। उन्होंने किसान से पूछा कि वह ऐसा क्यों कह रहा है। तब किसान ने राजा को पूरी बात बताई। राजा को अपनी ग़लती का अहसास हुआ। किसान को तुरंत छोड़ दिया गया। किसान की बेटी को राजा ने दरबार में बुलाया। उससे बातें करने के बाद राजा को पता चल गया कि वह कितनी बुद्धीमान है। किसान की बेटी को राज्य के ख़ज़ाने का मंत्री बना दिया गया। उन्हें रहने के लिए घर और सभी सुख-सुविधाएँ दी गई।

किसान और उसकी बेटी सदा सुख से रहे। किसान को थोड़ा कष्ट ज़रूर झेलना पड़ा। लेकिन अंत में जीत सच्चाई की हुई।

पैसों का पेड़

एक ग़रीब लकड़हारा लकड़ियाँ काटकर अपने घर जा रहा था। रास्ते में उसे एक साधु बाबा मिले। सर्दियों के दिन थे। साधु बाबा ठंड से ठिठुर रहे थे। लकड़हारे ने कुछ लकड़ियाँ साधु बाबा के पास जला दीं। उन्हें बहुत आराम मिला। खुश होकर उन्होंने लकड़हारे को एक अँगूठी दी। उन्होंने लकड़हारे को बताया कि यदि वह इस अँगूठी को पहनकर मंत्र पढ़ेगा तो उसके सामने पैसों का एक पेड़ उग आएगा। फिर वह जितने चाहे उतने पैसे तोड़ सकता है। उन्होंने लकड़हारे को एक मंत्र भी बताया। पेड़ उगाने के लिए यह मंत्र पढ़ना जरूरी था। लकड़हारे ने साधु बाबा को धन्यवाद दिया और अपने घर आ गया। उसने अपनी पत्नी को अँगूठी दिखाई। वह भी बहुत खुश हुई। अब उन्हें जब भी पैसों की ज़रूरत होती थी, वे दोनों पैसों का पेड़ उगा लेते थे।

एक दिन उनके एक पड़ोसी ने उन्हें ऐसा करते हुए देख लिया। उसे लालच आ गया। एक रात उसने वह अँगूठी चुरा ली। उसने अँगूठी को पहन लिया और पैसों का पेड़ उगने का इंतजार करने लगा। लेकिन कुछ नहीं हुआ। उसे पता ही नहीं था कि पेड़ उगाने के लिए मंत्र भी पढ़ना पड़ता है।

उधर लकड़हारा परेशान था। उसने पूरे घर में अँगूठी ढूँढी, लेकिन उसे कहीं भी अँगूठी नहीं मिली। वह परेशान होकर साधु बाबा के पास पहुँचा। साधु बाबा ने अपनी शक्ति से चोर का पता लगा लिया।

अँगूठी उस लालची पड़ोसी के ही पास थी। साधु बाबा ने उससे अँगूठी ले ली। उसे पुलिस ने पकड़ लिया और कड़ी सज़ा दी।

इसीलिए कहते हैं कि चोरी करना बुरी बात है।

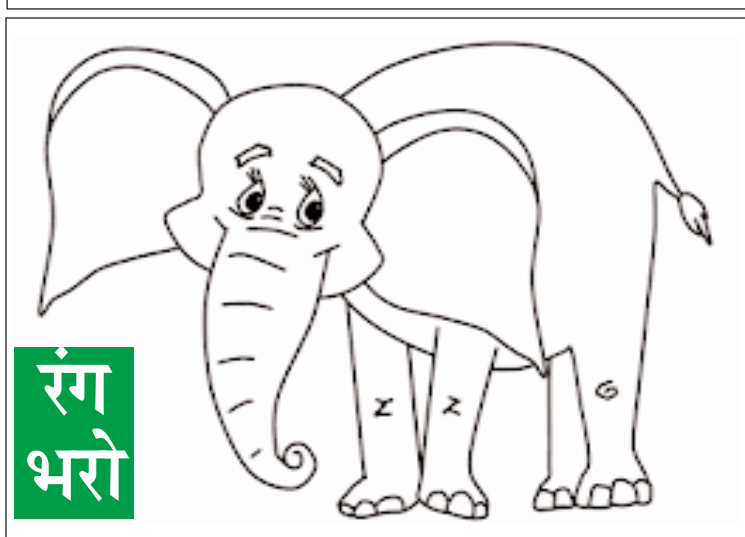

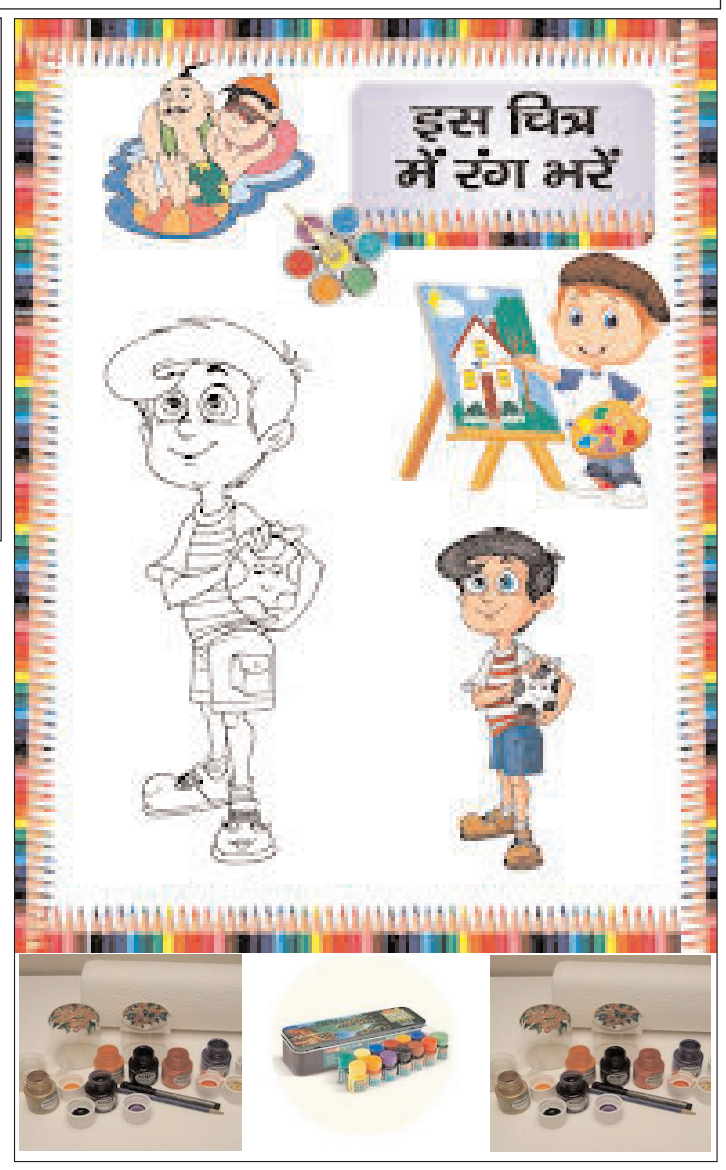

रास्ता ढूंढो

अकबर का तोता

बहुत समय पहले की बात है। एक बार अकबर बाजार में भ्रमण पर निकले थे। वहां उन्होंने एक तोता देखा, जो बहुत ही प्यारा था। उसके मालिक ने उसे बहुत अच्छी बातें सिखाई थीं। अकबर यही देखकर खुश हो गए। उन्होंने उस तोते को खरीदने का फैसला कर लिया। तोते को खरीदने के बदले अकबर ने मालिक को अच्छी कीमत दी। वो उस तोते को राजमहल लेकर आए। यहां पर तोते को लाने के बाद अकबर ने उसे बहुत अच्छे से रखने का फैसला किया।

अब अकबर जब भी उससे कोई बात पूछते, तो वह उस बात का तुरंत जवाब दे देता था। अकबर बहुत खुश हो जाते थे। वह तोता दिनों-दिन उनके लिए जान से भी प्यारा हो गया था। उन्होंने महल में उसके रहने के लिए शाही व्यवस्था करने का आदेश दिया। उन्होंने अपने सेवकों को कहा, 'इस तोते का खास ख्याल रखा जाए। तोते को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा, 'यह तोता किसी भी हालत में मरना तो बिल्कुल भी नहीं चाहिए। अगर किसी ने तोते के मरने की खबर उनको दी, तो वह उसको फांसी दे देंगे।' महल में तोते के रहने का खास ख्याल रखा जाने लगा। फिर एक दिन अचानक अकबर का प्यारा तोता मर गया।

अब महल के सेवकों में हड़कंप मच गया कि आखिर अकबर को यह बात कौन बताएगा, क्योंकि अकबर ने कहा था कि जो भी तोते की मौत की खबर उन्हें देगा, वह उसकी जान ले लेंगे।

अब सेवक परेशान थे। काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने फैसला किया कि यह बात बीरबल को बताई जाए। सभी ने बीरबल को सारी बात बताई। यह भी बताया कि बादशाह अकबर मौत की खबर देने वाले को मौत की सजा देंगे। यह सुनकर बीरबल, बादशाह अकबर को यह खबर सुनाने को राजी हो गए। वो महल में अकबर को यह जानकरी देने के लिए चल पड़े।

बीरबल ने अकबर के पास जाकर कहा, 'महाराज एक दुखद खबर है।' अकबर ने पूछा ङ्क 'बताओ क्या हुआ?' बीरबल ने कहा, 'महाराज आपका प्यारा तोता, न तो कुछ खा रहा है, न तो कुछ पी रहा है, न तो कुछ बोल रहा है, न आंखें खोल रहा है और न ही कोई हरकत कर रहा है और न हीज.।' अकबर गुस्से में आकर बोले, 'ज्न ही क्या? सीधा-सीधा क्यों नहीं बोलते कि वो मर गया है।' बीरबल ने कहा, 'हां महाराज, लेकिन ये बात मैंने नहीं आपने कही है। इसलिए, मेरी जान बक्श दीजिए।'

अकबर भी कुछ न बोल सके। इस तरह बीरबल ने बड़ी सूझबूझ से अपनी और अपने सेवकों की जान बचा ली।

कहानी से सीख

मुश्किल समय में घबराना नहीं चाहिए, बल्कि समझदारी से काम लेना चाहिए। दिमाग का इस्तेमाल करके किसी भी समस्या का हल निकाला जा सकता है।

भगवान का दूत

उल्लू वन में सिर्फ उल्लू ही रहते थे। इसलिए उन्हें यह पता नहीं था कि उनके सिवा कोई ऐसा पंछी होता है जो दिन में भी देख सकता हो। एक दिन अचानक उल्लू वन में एक काला, लंबी चोंच वाला कौआ आ पहुँचा। उसने चश्मा पहन रखा था। उसकी गर्दन में एक थैला लटक रहा था। रात होते ही वन के उल्लू झुण्ड बनाकर उस विचित्र पंछी को देखने पहुँचे। एक उल्लू ने पास आकर उससे पूछा, आप कौन है? और कहाँ से आये हैं? मैं भगवान का दूत हूँ। मैं स्वर्ग से उड़नतश्तरी के द्वारा तुम्हारे वन में आया हूँ। उल्लू वन आप का स्वागत करता हैं। उल्लू प्रसन्न होकर बोला, कृपया बताये कि आपका यहाँ आना क्यों हुआ? दरअसल बात यह है कि तुम लोगों को बनाते समय भगवान से कुछ गलती हो गई थी। फलस्वरूप तुम सब दिन में नहीं देख पाते हो। इसलिए भगवान ने चश्मा भेजा है, इसे पहन कर तुम सब दिन में भी देख सकोगे। कौआ चश्मा दिखाकर बोला। आने और लौट कर जाने में होने वाले भारी खर्च को पूरा करने के लिए प्रत्येक चश्मे का दाम मात्र 10 रूपये रखा गया है। जो चाहे, खरीद सकता हैं, मैं सुबह स्वर्ग लौट जाऊँगा। वन के सब उल्लू चकित हो खुसुर- फुसुर करने लगे, फिर एक उल्लू, बोला, हमें कैसे विश्वास हो कि आपके चश्मे के गुण वही हैं जो आप कह रहे हैं? सूर्य उगने ही वाला है, अभी परीक्षा हो जाएगी। लेकिन मुझे अगली सुबह तक रूकना पड़ेगा। कौआ बोला। थोड़ी देर में जब दिन का उजाला फैल गया, तो कौए ने बरगद के सामने वाले पेड़ पर जाकर बारी-बारी से चश्में पहन कर बताया कि कौन उल्लू अपनी जगह से खिसका, किसने चोंच खोली, किसने अपने पंख फड़फड़ाए, किस डाल पर कितने उल्लू किस दिशा में बैठे हैं, आदि आदि। सभी को विश्वास हो गया, लेकिन एक सबसे बूढ़ा उल्लू जो जब तक एक ओर बैठा सोच रहा था कि यह विचित्र पंछी कौआ ही है, क्योंकि उसके दादा जी ने बताया था कि एक पंछी काला, लंबी चोंच वाला कौआ होता है, वह दिन में भी देखता है वह बेहद चालाक और ठग होता है वह बच्चों के हाथ से रोटी झपट लेता हैं। बूढ़े उल्लू ने अपना शक सब उल्लूओं को बता दिया। फिर बूढ़ा विचित्र पंछी से बोला, आप मुझे चश्मा पहना दें, अपने घर से पैसे ला देता हूँ। इस चश्मे को सिर्फ रात में ही खरीदा जा सकता है और बगैर खरीदे पहना नहीं जा सकता, ऐसा भगवान का आदेश हैं। अब सब उल्लू संदेह करने लगे। कुछ देर बाद वह बूढ़ा उल्लू बोला, दूत भाई बहुत दूर से हमारी सेवा के लिए आये हैं। अत: हम आपको स्वागत भोज देंगे। कृपया बरगद के खोखर में चलें। बरगद के खोखर में अँधेरा था, लेकिन खाने-पीने की अच्छी व्यवस्था थी। कौआ ने नींद की दवा मिला खाना खूब डटकर खाया और बिस्तर पर लेट गया। कौए के सोते ही एक उल्लू चश्मा पहनकर बाहर जमीन पर गिर पड़ा। फिर भी उल्लुओं ने प्रत्येक चश्में की परीक्षा ली। संदेह अब पक्का हो गया था। अँधेरा फैल चुका था। कौआ बिस्तर से उठकर बोला, जो चाहे झटपट चश्मा खरीद ले, मैं अब स्वर्ग जाऊँगा। कौआ जी, हमने आपकी और अपने चश्मे की परीक्षा ले ली है। अब आप स्वर्ग जाने के लिए तैयार हो जाइये। इसके साथ ही उल्लूओं की चोंच उस पर पड़ने लगी। कौए ने उड़कर भागना चाहा, किन्तु खोखर के बाहर बैठे उल्लुओं ने हमला बोल दिया। बच पाने का कोई रास्ता न देख कौआ रो-रोकर गिड़-गिड़गिड़ाने लगा। माफ कर दो भाइयों, अब ऐसी गलती कभी नहीं करूँगा। भगवान के दूत को माफ करने की औकात भला हममें कहाँ?

और सब उल्लू खिलखिला कर हँस पड़े।

गिलहरी से प्रेरणा

जी हा! आशा और निराशा दोनों सखियां प्रतिस्पर्धा की भावना से प्रेरित होकर जीवन-पथ पर निरन्तर दौड़ लगाती रहती हैं। कभी आशा आगे निकल जाती है तो कभी निराशा बाजी मार ले जाती हैं। जब आशा जीतने लगती है तो मनुष्य बहुत महत्त्वाकांक्षी हो जाता है। साथ ही अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिये वह जी-जान से परिश्रम करता है। वह सोचने लगता है। कि मेहनत के बल पर वह अवश्य अपनी मंजिल को पा लेगा। इसके विपरीत जब निराशा विजय होने लगती है। तो मनुष्य जीवन से हार मान लेता है। उसे अपने सभी प्रयत्न बेकार लगने लगते हैं। महात्मा बुद्ध सत्य की खोज में घर-बार त्याग कर निकल पड़े। उन्हें पूरी आशा थी कि वे अपने लक्ष्य को पा लेंगे। इसके लिये उन्होंने बहुत कष्ट सहे। कठिन से कठिन तप किये और फिर उनके जीवन में भी एक समय ऐसा आया कि वे निराश हो गये। उन्होंने सोचा कि वे कभी अपनी मंजिल को प्राप्त नहीं कर सकेंगे। वे व्यर्थ ही इधर-इधर घूम कर अपने समय को बर्बाद कर रहे हैं। उन्हें अब अपने घर लौट जाना चाहिए। आखिर वे अपने घर की दिशा में चल दिये। मार्ग में उन्हें प्यास लगी। पास ही स्वच्छ जल की झील देख कर वे रूक गये। शीतल जल पीया और थोड़ी देर विश्राम करने की इच्छा से बैठ गये। अचानक उनकी दृष्टि एक गिलहरी पर पड़ी। गिलहरी बार-बार झील में जाती थी और झील से बाहर आकर अपनी पूँछ को झटक देती थी। काफी देर तक महात्मा बुद्ध उसकी इस क्रिया को देखते रहे। जब कुछ समझ न आया तो गिलहरी से पूँछने लगे। तुम व्यर्थ इतना परिश्रम क्यों कर रही हो? मेरा परिश्रम बेकार नहीं जायेगा। मैं इस झील को सुखा कर ही रहूँगी। यह झील मेरे बच्चों को निगल गई हैं। मैं इससे अवश्य बदला लूंगी। गिलहरी ने दृढ़ निश्चत से कहा। पर गिलहरी रानी! तुम्हारे पास कोई बर्तन आदि तो है नहीं। अपनी पूँछ को गीला करके पानी की कुछ बूँदें झील के बाहर झाड़ देने से क्या वह सूख जायेगी? और फिर तुम्हारे जीवन की अवधि भी उतनी सी होती है। अधिक से अधिक दो साल। महात्मा बाल बुद्ध के प्रश्न के उत्तर में गिलहरी बोली महाराज इस झील का पानी सूखे या न सूखे, मैं तो जीवन भर इसे सुखाने का पूरा प्रयत्न करूँगी। और वह पुनः काम में लग गई। गिलहरी के इस वाक्य से महात्मा बुद्ध के जीवन की दिशा ही बदल दी। वे सोचने लगे, यह छोटा सा जीव शक्ति एवं साधनों के अभाव में भी अपना काम पूरा करने के लिये कृत-संकल्प है और मैं इससे भी अधिक बल-वृद्धि का स्वामी हो कर भी जीवन से निराश हो गया हूँ। उन्होंने पुनः अपनी दिशा बदल दी। अब वे घर से विपरीत दिशा की ओर बढ़े जा रहे थे। अपने लक्ष्य को पाने के लिये। उनके जीवन-पथ पर आशा-निराशा की दौड़ में पुनः आशा बाजी मार ले गई और निराशा हाथ मतली रह गई। मालूम नहीं गिलहरी बेचारी झील को सुखा पाई या नहीं उसके एक वाक्य से प्रेरित होकर महात्मा बुद्ध ने अपने लक्ष्य को पा लिया, सत्य को खोज लिया।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

शुक्रवार 25 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव एवं गुण्डाधूर सम्मान के लिए आवेदन 30 तक

बिलासपुर। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रदान किए जाने वाले महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान एवं गुण्डाधूर सम्मान के लिए खिलाड़ियों से अनुशंसाएं आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक पात्र खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप में 30 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन केवल खेल एवं युवा कल्याण विभाग की वेबसाइट http//sportsyw.cg.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। विभागीय वेबसाइट पर अपलोड किए गए आवेदन ही मान्य होंगे। निर्धारित प्रारूप एवं नियमों की जानकारी खेल विभाग के जिला स्तरीय कार्यालयों से भी प्राप्त की जा सकती है। महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान विशेष रूप से तीरंदाजी खेल के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को दिया जाएगा। यह सम्मान वर्ष 2025-26 में तीरंदाजी की राष्ट्रीय चैंपियनशिप (सीनियर वर्ग) अथवा राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भाग लेते हुए स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक प्राप्त करने वाले अथवा अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। सम्मान के अंतर्गत 1 लाख रुपये नगद, अलंकरण फलक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर सम्मिलित रूप से विचार किया जाएगा।

विद्यार्थियों ने रक्तदान कर पेश की सेवा की मिसाल

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय ई. राघवेन्द्र राव स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए अपना योगदान दिया। शिविर में कुल 23 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान को लेकर विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों में उत्साह नजर आया। उन्होंने रक्तदान को मानव सेवा से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए बढ़-चढ़कर सहभागिता की। शिविर का उद्देश्य युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के साथ उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना को बढ़ावा देना रहा। विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों की सहभागिता ने सेवा कार्यों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को प्रदर्शित किया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से आयोजित इस शिविर में रक्तदान के महत्व का संदेश भी दिया गया।

दिव्यांग विद्यार्थियों ने उकेरे सपनों के रंग

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय, तिफरा में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राओं द्वारा 'विकसित भारत' की थीम पर पेंटिंग एवं रंगोली तैयार की गई। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन करते हुए रंगों के माध्यम से विकसित भारत की परिकल्पना को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर 7.8 किलोमीटर सड़क का होगा 4 लेन में विकास, दोनों प्रवेश मार्गों पर बनेंगे भव्य प्रवेश द्वार

उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा ने रखी कवर्धा के नए स्वरूप की नींव, 54 करोड़ से बनेगी 4 लेन सड़क

कवर्धा ■ दैनन्दिनी

कवर्धा शहर में प्रवेश करते ही अब बदलता हुआ शहर नजर आएगा। 54 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर 7.8 किलोमीटर सड़क को 4 लेन में विकसित करने के साथ रायपुर और बिलासपुर की ओर दोनों प्रवेश मार्गों पर भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव और उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने आज शहर वासियों को बड़ी सौगात देते हुए नया मंडी परिसर, कवर्धा में इस सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। चंद्रयान हॉस्पिटल से शुरू होकर कवर्धा शहर के प्रमुख हिस्सों से गुजरते हुए जोरताल के आगे तक बनने वाली इस 4 लेन सड़क में डिवाइडर का भी निर्माण किया जाएगा।

प्रवेश द्वारों के डिजाइन में धर्मनगरी कवर्धा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को प्रमुखता दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के विशेष आग्रह पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कवर्धा नगर पालिका में सामुदायिक भवन निर्माण और मटन मार्केट के लिए 3.50 करोड़ रुपए, नगर पंचायत बोड़ला में बाजार विस्थापन के लिए 1.50 करोड़ रुपए, सहसपुर लोहारा में बाधांटोला में गौरव पथ निर्माण के लिए 1.50 करोड़ रुपए और नगर पंचायत पिपरिया के खेल मैदान के लिए 1.50 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की घोषणा की। इसके साथ ही उनकी मांगों पर विभिन्न सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पूरी होने की गारंटी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने संकल्पों को पूरा करने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, दो वर्ष के पुराने बोनस का भुगतान, महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता पारिश्रमिक में वृद्धि और पीएससी मामले की सीबीआई जांच जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के माथे पर नक्सलवाद का जो कलंक था, उसे मिटाने की दिशा में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है। जवानों के साहस और परिश्रम से छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश में सड़क सहित बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले ढाई वर्षों में लोक निर्माण विभाग में 12,666 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। अनेक कार्य शुरू हो चुके हैं और कई पूरे भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। जनता का पैसा जनता के विकास पर खर्च किया जा रहा है और छत्तीसगढ़ का खजाना छत्तीसगढ़ की जनता के लिए खोला गया है। इसी का परिणाम है कि गांवों से लेकर शहरों तक विकास कार्यों की गति बढ़ी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सुशासन, विकास और शांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कबीरधाम जिला भी विकास की इस यात्रा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जिले की जनता के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता की सहभागिता से विकास की यह गति और मजबूत होगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा में लगभग 140 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें सड़क, शिक्षा, शहर के विकास और धार्मिक-पर्यटन स्थलों से जुड़े कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कवर्धा शहर में 54 करोड़ रुपए की लागत से चार लेन सड़क का निर्माण शुरू होगा। रायपुर और बिलासपुर मार्ग की ओर लगभग 3-3 किलोमीटर सड़क का विकास किया जाएगा। कवर्धा में 4.5 करोड़ रुपए की लागत से नालंदा परिसर बनाया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुस्तकालय और डिजिटल पुस्तकालय की सुविधा होगी। नए बस स्टैंड को शुरू करने के लिए 10 करोड़ रुपए की लागत से घोटिया रोड का निर्माण किया गया हैं। भोरमदेव परिसर के विकास के लिए 1.46 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। तालाब परिसर, उद्यान, मेला स्थल, छेरकी महल, रामचुआ और सरोधा क्षेत्र में विकास कार्य किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास, सुशासन और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने कठिन परिस्थितियों में अभियान चलाकर नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है। जवानों के साहस और समर्पण से छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि विकास कार्यों को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है। गांव-गांव और घर-घर तक प्रधानमंत्री आवास पहुंचाने के साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर काम किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि जरूरतमंद परिवारों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले और विकास कार्यों का सीधा लाभ आम लोगों तक पहुंचे।

सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने कहा कि कवर्धा में बनने वाले दोनों भव्य प्रवेश द्वार केवल शहर की पहचान नहीं, बल्कि विकास के द्वार होंगे। इन द्वारों के साथ 54 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 4 लेन सड़क से कवर्धा का स्वरूप बदलेगा और आवागमन की नई सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से क्षेत्र में सड़क, रेलवे और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन सहित विभिन्न परियोजनाओं से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि खैरागढ़ से कवर्धा और राजनांदगांव क्षेत्र में सड़क परियोजनाओं से भी आवागमन बेहतर होगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, श्री राजेन्द्र चंद्रवंशी, पुलिस प्राधिकरण के सदस्य श्री भगत पटेल, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव सहित जनप्रतिनिधि हजारों की संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

बालोद शहर व बालोद ग्रामीण को अलग डीसी करने की मांग

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। पूर्व प्रदेश मंत्री भा.ज.पा. और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने उपमुख्यमंत्री एवं बालोद जिला प्रभारी मंत्री विजय शर्मा को पत्र लिखकर बालोद शहर व बालोद ग्रामीण को अलग डीसी करने की मांग की है। राकेश कुमार यादव ने मांग की कि बालोद डी.सी. में 18718 उपभोक्ता है शहर बालोद का डी.सी. एवं बालोद ग्रामीण का डी.सी. अलग किया जावें क्योकि उपभोक्ता बहुत होने से जनता को पर्याप्त सुविधा नही मिल पाता। 24 घंटे बिजली

नही मिल पाता उपभोक्ताओं को अन्य भी बहुत सारी समस्या रहता है। कर्मचारी की कमी रहती है शिकायत करने पर कई महीने लग जाता है। शहर में रात-दिन कट ऑफ होता है. ग्रामीण क्षेत्रो में धान की फसलों को पर्याप्त पानी नही मिल पाता है, किसान, आम जनता, दुकानदार (व्यापारी), ग्रामीण लोग भी परेशान है, विद्यार्थीयों को पढाई में परेशानी होता है। बालोद शहर में 9900 उपभोक्ता व बालोद ग्रामीण में 8715 उपभोक्ता है। इस कारण से शहरी एवं ग्रामीण डी.सी. को अलग-अलग किया जाना आवश्यक है। विभाग में तकनीकी कर्मचारियों, वाहन की भारी कमी रहता है विभाग को भी बहुत समस्या होती है।

चिल्फी एवं भोरमदेव में 5 दिवसीय कौशल एवं मृदु कौशल प्रशिक्षण संपन्न

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल के निर्देशन एवं भोरमदेव अभ्यारण्य की अधीक्षक श्रीमती अनिता साहू के मार्गदर्शन में स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं को आजीविका के नवीन अवसरों से जोड़ने तथा स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाने के उद्देश्य से भोरमदेव अभ्यारण्य, कवर्धा वनमंडल अंतर्गत ग्राम चिल्फी एवं भोरमदेव में 5 दिवसीय अल्पकालिक व्यवसायिक एवं मृदु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पं. सुंदरलाल शर्मा एजुकेशन एकेडमी, संयुक्त वन प्रबंधन समिति एवं भोरमदेव अभ्यारण्य, कवर्धा वनमंडल के

संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण में *इलेक्ट्रिशियन, प्लंबिंग एवं ब्यूटीशियन कार्य* का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्थानीय *63 युवक-युवतियों* ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण के समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में भोरमदेव की सरपंच, भोरमदेव अभ्यारण्य की अधीक्षक श्रीमती अनिता साहू, चिल्फी वन परिक्षेत्र के वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री लाल सिंह मरकाम सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आयोजन समिति के प्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए श्रीमती अनिता साहू ने कहा कि *महिलाओं एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कौशल विकास प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।* ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से स्थानीय युवक-युवतियां अपने हुनर का उपयोग कर स्वरोजगार एवं आय के स्थायी साधन विकसित कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान सफल प्रशिक्षणार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र तथा इलेक्ट्रिशियन, प्लंबिंग एवं ब्यूटी पार्लर से संबंधित टूल किट बैग प्रदान किए गए।

सेवा के संकल्प से ग्रामीणों को मिल रहा 125 दिन का रोजगार

विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत 1038 कार्यों में 11,591 ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार

427 ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्य, रोजगार देने के मामले में कबीरधाम प्रदेश में तीसरे स्थान पर

- विकाश शुक्ला

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने, ग्रामीण परिवारों को वित्तीय वर्ष में 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने तथा प्रतिदिन 300 रुपये की मजदूरी के माध्यम से उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कबीरधाम जिले में निरंतर कार्य किया जा रहा है। विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत जिले की 427 ग्राम पंचायतों में 1038 कार्य संचालित हैं, जिनके माध्यम से वर्तमान में 11,591 ग्रामीणों को उनके गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

योजना के तहत रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण समुदाय की मांग के अनुरूप स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी किया जा रहा है। रोजगार उपलब्ध कराने के मामले में कबीरधाम जिला प्रदेश में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और वर्तमान में प्रदेश में तीसरे स्थान पर है।

कलेक्टर कबीरधाम श्रीमती तुलिका प्रजापति ने बताया कि ग्रामीणों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के अंतर्गत बड़ी संख्या में कार्यों की पूर्व स्वीकृति की गई है। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अंतर्गत कंटूर ट्रेंच, आजीविका डबरी, नए तालाबों का निर्माण, पुराने तालाबों का गहरीकरण सहित विभिन्न कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में बालिकाओं के लिए सर्वसुविधायुक्त शौचालय, मुक्तिधाम शेड सहित विभिन्न निर्माण कार्य भी किए जा रहे हैं। योजना के तहत प्रत्येक दिवस कार्य करने पर ग्रामीणों को 300 रुपये प्रतिदिन मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है। इससे ग्रामीण परिवारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ गांव में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि ग्रामीण आजीविका और रोजगार ग्रामीण क्षेत्रों की महत्वपूर्ण आवश्यकताएं हैं। वित्तीय वर्ष में ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का रोजगार मिलने पर 37,500 रुपये तक मजदूरी भुगतान प्राप्त हो सकता है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत निर्मित आजीविका डबरी, निजी डबरी, पशु शेड, कूप निर्माण जैसे कार्य ग्रामीणों को रोजगार के साथ अतिरिक्त आय के अवसर भी उपलब्ध करा रहे हैं। इन परिसंपत्तियों के निर्माण से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

इसके साथ ही मछली पालन एवं पशुपालन जैसी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है, जिससे हितग्राहियों को अतिरिक्त आमदनी का जरिया प्राप्त हो रहा है। सीईओ जिला पंचायतअभिषेक अग्रवाल ने बताया कि ग्रामीणों की मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। यही वजह है कि सितंबर माह के मध्य में भी जिले की 427 ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य संचालित हैं और 11,500 से अधिक जरूरतमंद ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए मैदानी अमले द्वारा लगातार गांवों का भ्रमण एवं कार्यों की निगरानी की जा रही है।

खेल और संस्कृति के संगम से गुलजार रहा खल्लारी क्षेत्र

महासमुंद। खल्लारी विधानसभा क्षेत्र में खेल, युवा उत्साह और धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों का संगम देखने को मिला।

जिला पंचायत महासमुंद के उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में आयोजित चार कार्यक्रमों में सहभागिता कर खिलाड़ियों, युवाओं, ग्रामीणों और श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने मंजराही में रामायण कार्यक्रम, बोकरामुड़ा कला में रात्रिकालीन कबड्डी, पतेरापाली में कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल तथा कौसरा में रात्रिकालीन ग्रामीण कबड्डी प्रतियोगिता के समापन में भाग लिया।

मंजराही में रामायण कार्यक्रम में हुए शामिल

ग्राम मंजराही, जुनवानी खुर्द में आयोजित रामायण कार्यक्रम में भीखम सिंह ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रभु श्रीराम की पूजा-अर्चना कर रामायण कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर सरपंच पार्वती जनक राम नायक, महेंद्र ठाकुर, कन्हैया नायक, ओमप्रकाश ध्रुव, संतोष ध्रुव, अमृत साहू, पोखन साहू, जीवर्धन पटेल, जीतू साहू, चेतन नायक, जनक नायक, हेमकुमार साहू, झाड़ूराम साहू, दिनेश कुमार पटेल, डॉ. राजेश नायक, जगदीश पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ०ग०)

क्रमांक 2866 / न.पा.नि. / 2026 **रायगढ़ दिनाँक 24/09/26**

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
01	200035	3 CONSTRUCTION OF DRAIN & BOX CULVERT FROM KRISHNA VATIKA AT W.N. 48 (2nd Call)	47.02	09.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

:- संपादकीय :-

कर्ज का बोझ बढ़ेगा

जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं ?फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट बैंक (एफसीएनआर-बी) योजना के जरिए अनिवासी भारतीयों और विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से विदेशी मुद्रा (मुख्य रूप से डॉलर) लाने की योजना कामयाब रही। इससे उस समय 136 बिलियन डॉलर भारत आए हैं, जब देश से डॉलर की निकासी के कारण रुपया बेहद दबाव में था। आए डॉलर के कारण रुपये की कीमत संभली है। लेकिन इस कामयाबी ने कई आशंकाओं को भी जन्म दिया है। यह एक टर्म डिपॉजिट स्कीम है। इसमें तीन से पांच साल की अवधियों के लिए जमा रकम विदेशी मुद्रा में ही मैच्योर होगी। वह रकम विनिमय दर के उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होगी। इस पर मिले ब्याज पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा।मोटे तौर पर इसे फिक्स्ड डिपॉजिट की ऐसी योजना के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें मैच्युरिटी पर मिलने वाली रकम उस दौरान हुई मुद्रास्फीति के प्रभाव से मुक्त रहेगी। जमा रकम पर लगभग 16 प्रतिशत का तय रिटर्न मिलेगा। और इसीलिए यह सवाल उठा है कि तीन साल के बाद जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? बैंकों को भुगतान डॉलर में ही करना होगा, जिससे तब विदेशी मुद्रा भंडार पर अचानक बड़ा दबाव बढ़ सकता है।इस बीच अमेरिका या अन्य देश अपनी ब्याज दरें बढ़ाते हैं, तो अनिवासी भारतीय निवेशकों को आकर्षित किए रखने के लिए भारतीय बैंकों को भी अधिक ब्याज देना होगा। उससे देश पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। अभी ही इस योजना के कारण भारत पर विदेशी कर्ज का बोझ 765 बिलियन से बढ़ कर लगभग 900 बिलियन डॉलर हो गया है। जब केंद्र के राजस्व का 40 प्रतिशत और बजट का 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा हो, तो बढ़े ऋण के दुष्परिणाम को समझा जा सकता है। इसीलिए सवाल उठा है कि क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? इसीलिए वित्तीय हलकों में यह अंदेशा जताया गया है कि कहीं इस योजना का हाल भी गोल्ड बॉन्ड स्कीम जैसा ना हो जाए!

विदेशी विश्वविद्यालयों के आने से भारतीय शिक्षा प्रणाली में फिर पड़ी जान

हरिशंकर व्यास

स्केलर के संस्थापक अभिमन्यु सक्सेना ने कहा कि हालांकि इस विस्तार से अवसर पैदा होने की उम्मीद है लेकिन अधिक स्थापित वैश्विक विश्वविद्यालयों की मौजूदगी मांग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। सक्सेना ने कहा, छात्र यह देख रहे हैं कि क्या वे वास्तव में कुछ ऐसा अत्याधुनिक सीख रहे हैं जो उन्हें उनके करियर में आगे ले जाने वाला है। एम.आई.टी., स्टैनफोर्ड और हार्वर्ड के पास ऐसे पाठ्यक्रम हैं और आई.आई.टी. भी इन्हें पेश करते हैं क्योंकि वे इन क्षेत्रों में निरंतर शोध करते हैं।विदेशी परिसरों वाले भारतीय विश्वविद्यालयों ने भी देखा है कि उन बाजारों में उनकी मौजूदगी उनकी पहुंच बढ़ाने में मदद करती है। सिंपलीलर्न के सहसंस्थापक कश्यप दलाल ने कहा,हमें इनमें से कुछ बाजारों से अपने कुल नामांकन का लगभग 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। यही बात इसे बेहद आकर्षक बनाती है। यह पहुंच का विस्तार करता है और जाहिर तौर पर जैसे-जैसे समय बीतेगा, उम्मीद है कि हम उन बाजारों में और भी अधिक प्रमुख होंगे।

भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश और विस्तार से एडटेक कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर पैदा हो रहे हैं, जिससे वैश्विक संस्थानों के साथ साझेदारी में ऑनलाइन उच्च शिक्षा और पेशेवर पाठ्यक्रमों की मांग बढ़ रही है। सिंपलीलर्न और स्केलर को उम्मीद...भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश और विस्तार से एडटेक कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर पैदा हो रहे हैं, जिससे वैश्विक संस्थानों के साथ साझेदारी में ऑनलाइन उच्च शिक्षा और पेशेवर पाठ्यक्रमों की मांग बढ़ रही है। सिंपलीलर्न और स्केलर को उम्मीद है कि विदेशी विश्वविद्यालयों की बढ़ती उपस्थिति से उनके नामांकन बढ़ाने में मदद मिलेगी, वहीं सात यूनिवर्सिटी जॉइंट वैंचर चलाने वाले एमेरिटस को आने वाले वर्षों में देश में अपने विस्तार में 10-15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। एमेरिटस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) अश्विन डामेरा ने कहा, ह्यह्यहम भारत में अपना निवेश दोगुना कर रहे हैं और यह पहल हमारे विकास के केंद्र में है।यह कदम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा ऑस्ट्रेलिया, इटली, यू.के. और अमरीका के 15 विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों को भारत के विभिन्न स्थानों पर परिसर (कैंपस) स्थापित करने के लिए 16 आशय पत्र जारी किए जाने के बाद सामने आया है।

प्रस्तावित परिसर बेंगलुरु, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, मुंबई और चेन्नई में आने की उम्मीद है। वर्तमान में, भारत में लगभग 5 परिसर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें साउथैम्प्टन विश्वविद्यालय, क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट और ऑस्ट्रेलिया का डीकिन विश्वविद्यालय शामिल हैं। नामांकन बढ़ाने के लिए विदेशी विश्वविद्यालय परिसरों की क्षमता कोई नई बात नहीं है। विदेशी परिसरों वाले भारतीय विश्वविद्यालयों ने भी देखा है कि उन बाजारों में उनकी मौजूदगी उनकी पहुंच बढ़ाने में मदद करती है। सिंपलीलर्न के सहसंस्थापक कश्यप दलाल ने कहा,हमें इनमें से कुछ बाजारों से अपने कुल नामांकन का लगभग 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। यही बात इसे बेहद आकर्षक बनाती है। यह पहुंच का विस्तार करता है और जाहिर तौर पर जैसे-जैसे समय बीतेगा, उम्मीद है कि हम उन बाजारों में और भी अधिक प्रमुख होंगे।

बड़े ब्रांड का प्रभाव : स्केलर के संस्थापक अभिमन्यु सक्सेना ने कहा कि हालांकि इस विस्तार से अवसर पैदा होने की उम्मीद है लेकिन अधिक स्थापित वैश्विक विश्वविद्यालयों की मौजूदगी मांग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। सक्सेना ने कहा, छात्र यह देख रहे हैं कि क्या वे वास्तव में कुछ ऐसा अत्याधुनिक सीख रहे हैं जो उन्हें उनके करियर में आगे ले जाने वाला है। एम.आई.टी., स्टैनफोर्ड और हार्वर्ड के पास ऐसे पाठ्यक्रम हैं और आई.आई.टी. भी इन्हें पेश करते हैं क्योंकि वे इन क्षेत्रों में निरंतर शोध करते हैं। दो मार्ग : विदेशी विश्वविद्यालय भारत में दो मार्गों के माध्यम से परिसर स्थापित कर रहे हैं-यू.जी.सी. के 2023 के नियम और गिफ्ट सिटी आई.एफ.एस.सी. ढांचा, जो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आई.एफ.एस.सी.ए.) द्वारा शासित है। यू.जी.सी. का ढांचा पात्र विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों को भारत में परिसर स्थापित करने की अनुमति देता है, जबकि गिफ्ट सिटी मार्ग विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए एक अलग नियामक ढांचा प्रदान करता है। शार्दुल अमरचंद मंगलदास में पार्टनर सादिया खान ने कहा, ये नए नियम किसी भी इकाई को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) प्राप्त करने की अनुमति देते हैं, जिसमें एक परिसर स्थापित करने के लिए निजी कंपनी या एल.एल.पी. बनाना भी शामिल है।

इसलिए, परिसर स्थापित करने के लिए एक लाभकारी वित्त-ढांचे का उपयोग किया जा सकता है।विदेशी संस्थानों द्वारा प्रस्तावित किए जा रहे कार्यक्रम व्यवसाय (बिजनैस), वित्त (फाइनांस), सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डाटा साइंस, आ?टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.), साइबर सुरक्षा, उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) और बायोमैडिकल साइंसेज जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएंगे , जिसमें आपको किसी करीबी की सहायता मिलेगी। आज आपकी काम में रुचि बनी रहेगी और रिलैक्स महसूस करने के लिए मनोरंजन संबंधी योजनाएं भी बन सकती हैं।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप किसी भी काम को बहुत ही सावधानीपूर्वक करेंगे तो अच्छा होगा। आज आप अपनी योग्यता और क्षमता से काम को आसानी से कर लेंगे , इससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा। अगर घर के रखरखाव संबंधी योजनाएं बन रही हैं, तो वास्तु सम्मत नियमों का भी पालन करना उचित रहेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप भीड़ से अलग हटकर कुछ नया करने का प्रयास करेंगे , जिसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आपकी रुचि संगीत में रहेगी , आप किसी बड़े प्लेटफॉर्म पर परफॉर्म भी कर सकते हैं। ऑफिस में आपको कुछ नए कामों की जिम्मेदारी मिलेगी, जिसको आप सफलतापूर्वक पूरा भी कर लेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और इस उचित समय का भरपूर सदुपयोग करेंगे। व्यावसायिक पार्टियों के साथ रिश्ते मधुर बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें और जब तक आपसे सलाह न मांगी जाये तब तक आप चुप रहें , इससे आपका मान-प्रतिष्ठा दोनों ही बने रहेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप व्यवसाय को विस्तार देने के लिए ऑफिस में मीटिंग कर सकते हैं। आज आपके घर में लंबे समय बाद किसी रिश्तेदार का आगमन होगा , जिससे आपसी गलतफहमियां दूर होंगी। आज बच्चों के साथ उनके क्रियाकलापों में रुचि लेना और सहयोग करना उनके आत्मविश्वास को और अधिक मजबूत बनाएगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज बच्चों की शिक्षा और करियर से संबंधित भी काम हो सकता है। आज बिजनेस में आपको अच्छे ऑर्डर मिल सकते हैं और आज आप सिर्फ अपने काम की क्वालिटी को अधिक बेहतर बनाने में ध्यान देंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा लेकिन आज खर्च की अधिकता रह सकती है। आज समय का उचित सदुपयोग करेंगे तो आपको लाभ मिलने के योग हैं। आज आप व्यक्तिगत कार्यों के साथ-साथ सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने जैसे कार्यों में भी रुचि लेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप दिन की शुरूआत किसी जरूरतमंद की मदद करके करेंगे , जिससे आपको पूरा दिन सकारात्मक परिणाम मिलते ही रहेंगे। आज आप अपनी वाणी पर थोड़ा कंट्रोल रखें अन्यथा किसी को बुरा लग सकता है। आज आप अपने कर्मचारियों का उत्साह वर्धन करेंगे , जिससे वे मन लगाकर और अधिक मेहनत से काम करेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में एक नया और कीर्तिमान इतिहास रचकर दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने के योग हैं , जिससे आपकी आय और पद दोनों ही लाभदायक रहेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप ऑफिशियल काम के साथ-साथ अपने निजी कार्यों को भी समय देंगे. जिससे आपको शारीरिक थकान का अहसास हो सकता है। आज राजनीतिक और अनुभवी व्यक्ति की सलाह और मदद आपके व्यवसाय को नई दिशा देगी। आज आपको किसी को दिया धन वापस मिलेगा , जिसका उपयोग आप बिजनेस में करेंगे तो फायदा होगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। इस राशि की महिलाएं आज किसी काम की शुरूआत कर सकती हैं , जिसमें उन्हें जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज योजनाबद्ध तरीके से अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें, इससे आपके कार्य सफल होंगे। आज आपके परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा और परिवार के साथ कोई मनोरंजक प्रोग्राम भी बनेगा। आज आप व्यवसाय में मामूली परिवर्तन करेंगे ,

सू- दोकू क्र.169

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.168 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया | ललित गर्ग ।

जब हुनर को मंच और अनुभव को अवसर मिलता है, तब बदलता है भविष्य

छत्तीसगढ़ की पहचान लंबे समय तक 'धान के कटोरेइ के रूप में रही है। खेतों में लहलहाती फसलें प्रदेश की समृद्धि की कहानी कहती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ छत्तीसगढ़ ने विकास की अपनी यात्रा में नए आयाम जोड़े हैं। अब कृषि के साथ उद्योग, तकनीक के साथ कौशल और रोजगार के साथ उद्यमिता भी प्रदेश की नई पहचान बन रही है। इस बदलाव की सबसे बड़ी ताकत प्रदेश के युवा और अनुभवी मानव संसाधन हैं।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद के हालिया निर्णय इसी सोच को आगे बढ़ाते दिखाई देते हैं। एक ओर नवा रायपुर अटल नगर में नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) की स्थापना होने से युवाओं को आधुनिक कौशल का मंच मिलेगा, वहीं दूसरी ओर विभिन्न शासकीय एवं संबद्ध संस्थाओं में कार्यरत वर्गों के लिए अधिकतम आयु सीमा 38 से बढ़ाकर 45 वर्ष किया जाना अनुभव और क्षमता को नए अवसर देने की दिशा में

महत्वपूर्ण निर्णय है।आज का युवा केवल शिक्षा नहीं, रोजगारपरक कौशल चाहता है। उद्योगों की बदलती जरूरतों के बीच ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण का महत्व बढ़ गया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ग्राम तेंदुवा में एनएसटीआई की स्थापना के लिए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता निदेशालय को 10 एकड़ भूमि निःशुल्क आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होने वाले इस संस्थान में आधुनिक शैक्षणिक, प्रशासनिक और छात्रावास सुविधाएं होंगी। यहां दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों में हर वर्ष करीब एक हजार तथा अल्पकालीन कार्यक्रमों में लगभग तीन हजार प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। हजारों युवाओं के सपनों से जुड़ा अवसर है। इससे कोई तकनीकी कौशल हासिल करेगा, कोई उद्योग से जुड़ेगा, तो कोई अपना उद्यम शुरू कर दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

कौशल से रोजगार और आत्मनिर्भरता की राह- एनएसटीआई की स्थापना होने से युवाओं को प्रशिक्षण के साथ बदलती तकनीक और उद्योग की जरूरतों से जोड? की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। आज कौशल केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की क्षमता है। गांव और कस्बे के युवा को भी उद्यमशील बनने का अवसर मिलेगा। एक प्रशिक्षित युवा नौकरी तलाशने वाला बनने के साथ नौकरी देने वाला उद्यमी भी बन सकता है। यही कौशल से उद्यमिता और रोजगार से आत्मनिर्भरता की यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के युवाओं से अक्सर कहते हैं कि ऐसा कार्य करें जो युवाओं को रोजगार देने वाला बने, ताकि उनकी नई पहचान बन सके।

उम्र बढ़ी तो अवसरों का दायरा भी बढ़ा-अधिकतम आयु सीमा को 38 से बढ़ाकर 45 वर्ष करने का निर्णय उन लोगों के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है, जिनके पास अनुभव, कार्यकुशलता और जिम्मेदारियों का व्यावहारिक ज्ञान है। उम्र बढ? के साथ अनुभव बढ़ता है और अनुभव किसी भी व्यवस्था की महत्वपूर्ण पूंजी है। वर्षों तक काम कर चुके लोगों ने व्यवस्था को करीब से समझा है और चुनौतियों का सामना किया है। ऐसे अनुभव का बेहतर उपयोग नई जिम्मेदारियों में किया जाना संस्थाओं को अधिक सक्षम बना सकता है।

विचार

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है।ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो दीदी कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। युद्धऔर संघर्ष15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिजोड़ा फूल को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ह्याकाला दिनह्न बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है।

मायका नदियों का....

मायका यानी मां का घर। साधारणतया इसका ताल्लुक इंसानों से खासकर महिलाओं से होता है। वह घर जहां बच्चियां जन्म लेती हैं, बड़ी होती हैं, कार्य-कुशलता प्राप्त करती हैं और फिर समय आने पर विवाहोपरांत अपने ससुराल यानी पति के घर चली जाती हैं। जाहिर है इस घर से यानी मायके से उनका नाता जुड़ा ही रहता है। तीज-त्योहार-उत्सवों के अलावा भी गाहे-बगाहे वे वहां आती-जाती रहती हैं। बच्चों को लेकर जाने की बात हो या फिर किसी खास बुलावे पर। या फिर भाई-बहन के किसी त्योहार को लेकर। महिलाओं का मायका आना-जाना लगा रहता है। आजकल तो कामकाजी युवा भी जो लंबे समय तक बाहर रहते हैं, घर आने पर मायका शब्द का इस्तेमाल करने लगे हैं।यह तो हुई इंसानी मायके की बात। आइये अब करते हैं जीवनदायिनी नदियों की बात। क्या नदियों का मायका भी होता है? इस सवाल का जवाब है, जी हां। हमारे देश में मध्य प्रदेश एक ऐसी जगह है, जिसे नदियों का मायका कहलवाने का सौभाग्य प्राप्त है। यहां से लगभग 6 बड़ी और करीब 14 मध्यम व छोटी नदियां निकलती हैं। यहां से निकलने वाली प्रमुख नदियां हैं, नर्मदा, चंबल, ताप्ती, सोन, क्षिप्रा, बेतवा, केन, तवा, काली सिंध, कूनो इत्यादि। इन नदियों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व तो है ही इसके साथ ही इनका मध्य प्रदेश के निवासियों के लिए बहुत बड़ा आर्थिक योगदान भी है। यही कारण है कि इस राज्य को नदियों का मायका कहा जाता है। विडंबना यह है कि महिलाओं का विवाहोपरांत अपने ससुराल में रचने-बसने और उपनाम बदल जाने के बावजूद भी अपने मायके से नाता नहीं टूटता। अपनी जिंदगी भर वे वहां आती-जाती रहती हैं। पर नदियों के साथ ऐसा नहीं है, वे एक बार जो अपने मायके से निकलीं तो दोबारा उधर का रुख नहीं कर पातीं। उनके नसीब में सिर्फ आगे की ओर बहना लिखा होता है, लौटना नहीं। पर वे बहते-बहते भी लाखों-करोड़ों प्राणियों की खुशहाली, जीविका का साधन व धरती माता के जीवन के आधार का निरपेक्ष भाव से वायस बनती चली जाती हैं।

इस दुनिया में करीब डेढ़ लाख नदियां बहती हैं, जिनमें छोटी-बड़ी मिलाकर तकरीबन दो सौ प्रमुख नदियां हमारे देश में लोगों को जीवन प्रदान करती हैं। मायके से निकलने के बाद जनहित में ये कभी भी पीछे मुड़ कर नहीं देखतीं। ऐसी जीवनदायिनी, प्रभु की अमूल्य भेंट के प्रति हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम इनका ख्याल रखें। इनका सम्मान करें। यदि कुछ न भी कर सकें तो कम से कम इन्हें ह्यव्यथितह्न तो न करें। इन नदियों की पवित्रता का ध्यान रखें।

शब्द सामर्थ्य -169

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

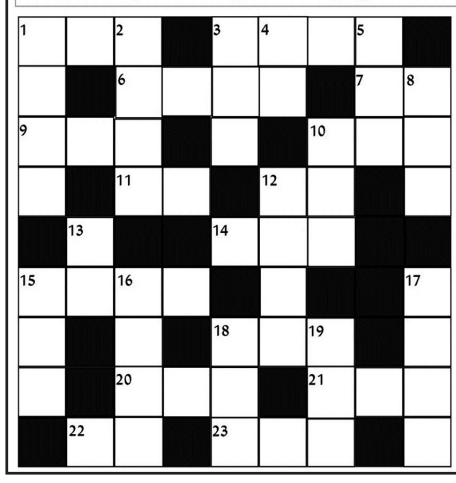

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 168 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सेवा संकल्प अभियान : वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने मूल्यांकन शिविर का हुआ आयोजन

-सहायक उपकरण हेतु 250 से अधिक वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों का पंजीयन

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान अंतर्गत समाज कल्याण विभाग तथा भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एडिप योजना के तहत पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में राजनांदगांव नगर निगम एवं जनपद पंचायत क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध करने हेतु मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 250 से अधिक वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों ने सहायक उपकरण के लिए पंजीयन कराया।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने कहा कि सहायक उपकरण प्रदाय करने हेतु मूल्यांकन शिविर जिले के वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों के लिए बहुत ही उपयोगी एवं लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष समाज कल्याण विभाग एवं एलिम्को द्वारा जिले के प्रत्येक विकासखंड एवं नगर पंचायतों में वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों के लिए मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया था और पात्र हितग्राहियों को पात्रता अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया था।

उन्होंने जिले के सभी पात्र वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों को विकासखंड एवं नगर पंचायतों में आयोजित होने वाले मूल्यांकन शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर सहायक उपकरण के लिए पंजीयन कराने की अपील की। शिविर को जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव श्रीमती प्रतिमा चन्द्रकार, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव श्रीमती अनीता सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शीला टाकेश्वर सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती किरण बारले, श्रीमती पुष्पा उइके, पार्षद श्री शिव वर्मा, पार्षद श्री शैकी बग्गा ने भी संबोधित किया। उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार ने बताया कि मूल्यांकन शिविर के माध्यम से चिन्हांकित वरिष्ठ नागरिकों को आगामी सहायक उपकरण वितरण शिविर के माध्यम से व्हील चेयर, व्हील चेयर कमोड, स्टूल विथ कमोड, वाकिंग स्टीक एडजेस्टेबल, बैसाखी तीन साईज, टेट्रापेड, फोल्डिंग वाकर, सरवाईकल कालर, श्रवण यंत्र, स्पाईनल सपोर्ट, फुट केयर कीट, वनी ब्रेस, पोलीमर जेल, एल एस बेल्ट वाकर फोल्डिंग, चश्मा सहित अन्य सहायक उपकरण तथा दिव्यांगजनों को ट्रायसायकल, फोल्डिंग व्हील चेयर, मोटराईज ट्रायसायकल, बैसाखी, कोहनी साईज 1 एवं 2 बैसाखी छोटा, मिडियम व बड़ा साईज, वाकिंग स्टीक, ब्रेल केल फोल्डिंग, ब्रेल किट, रोलेटर, श्रवण यंत्र, सीपी चेयर, लेप्रोसी सू, मोबाईल फोन, सुगम्य केन टीएलएम किट, कैलिपर्स जॉय स्टिक व्हील चेयर सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राजनांदगांव श्री मनीष साहू सहित नगर निगम, जनपद पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग राजनांदगांव के अधिकारी व कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजन, नागरिक उपस्थित थे। शिविर का संचालन समाज कल्याण विभाग के प्रमुख कलाकार श्री वीरसिंह साहू द्वारा किया गया।

झंडा चौक में तलवार लहराकर लोगों को धमकाने वाला युवक गिरफ्तार

सार्वजनिक स्थान पर दहशत फैलाने की कोशिश, तलवार जब्त; आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। शहर के झंडा चौक में सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले एक युवक को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लोहे की धारदार तलवार बरामद कर जब्त की है। आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल कबीरधाम भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 22 सितंबर को सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि झंडा चौक कवर्धा में एक युवक हाथ में लोहे की तलवार लेकर उसे लहराते हुए आने-जाने वाले लोगों तथा वहां मौजूद नागरिकों से गाली-गलौज कर रहा है और उन्हें मारने की धमकी दे रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक लालजी सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर एक युवक को तलवार लहराते हुए लोगों को भयभीत करते हुए पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम अनिस खान पिता शुभराती खान, उम्र 20 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 02 रामनगर, कवर्धा बताया।

लाइसेंस नहीं होने पर तलवार जब्त

पुलिस द्वारा आरोपी को तलवार रखने के संबंध में अनुज्ञा पत्र (लाइसेंस) प्रस्तुत करने के लिए धारा 94 बीएनएसएस के तहत नोटिस दिया गया। आरोपी द्वारा तलवार रखने का कोई लाइसेंस नहीं होना बताया गया। इसके बाद पुलिस ने उसके कब्जे से एक नग लोहे की धारदार तलवार विधिवत जब्त कर सीलबंद की।

आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 411/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। बाद में न्यायालय के समक्ष पेश करने के उपरांत न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी को जिला जेल दाखिल किया गया।

राजनांदगांव जिले में अब तक 5919.2 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 5919.2 मिमी बारिश एवं औसत 845.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 857 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 836 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 1049.3 मिमी, घुमका तहसील में 665 मिमी, छुरिया तहसील में 781.8 मिमी, कुमरदा तहसील में 976.5 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 753.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा राजनांदगांव तहसील में 1049.3 मिमी दर्ज की गई है। इसी तरह आज राजनांदगांव जिले के सभी 7 तहसीलों में 25.8 मिमी एवं औसत 3.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। डोंगरगढ़ तहसील में 6.2 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 0 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 4.2 मिमी, घुमका तहसील में 3.5 मिमी, छुरिया तहसील में 6 मिमी, कुमरदा तहसील में 4.4 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 1.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक वर्षा डोंगरगढ़ तहसील में 6.2 मिमी दर्ज की गई है।

धान की जगह वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाकर बढ़ाया लाभ का रास्ता

सेवा की कहानी - फसल विविधीकरण की ओर बढ़े किसान एवन साहू ने 56.5 एकड़ में अपनाई वैकल्पिक फसलों की खेती

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत धान के बदले अन्य वैकल्पिक फसल लगाने वाले कृषकों को 15 हजार प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए सहकारी समिति के माध्यम से कृषकों को एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराना आवश्यक है। कृषक उन्नति योजना लाभ लेने के लिए डोंगरगांव विकासखंड ग्राम धौराभांठा के प्रगतिशील कृषक श्री एवन साहू ने खरीफ सीजन में पारंपरिक धान फसल के बदले अन्य वैकल्पिक फसल लगाया है। उन्होंने वैकल्पिक फसल के रूप में 30 एकड़ में कपास, 12 एकड़ में सोयाबीन, 12 एकड़ में रागी, 2 एकड़ में औषधी फसल एवं आधा एकड़ में अरहर की फसल लगाया है। किसान श्री एवन साहू ने धान फसल में अधिक जल मांग, कीट व्याधि का प्रकोप एवं बदलते मौसम के साथ लगातार आ रही उत्पादन में कमी को देखते हुए फसल परिवर्तन अपनाया है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित एवं जागरूक करने हेतु संचालित विशेष अभियान एवं कार्यशालाओं में भाग लिया। साथ ही क्षेत्रीय कृषि अधिकारियों के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर अपने खेत में धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाई है। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसलों का बीमा भी कराया है।

किसान श्री एवन साहू ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा उनके खेत में सोयाबीन एवं रागी बीज उपलब्ध कराते हुए प्रदर्शन आयोजित किया गया। उन्होंने दलहन-तिलहन एवं नगदी फसल भी लगाया है। किसान श्री एवन साहू अन्य किसानों को क्षेत्र में पानी की कमी और बदलते मौसम को ध्यान में रखते हुए अन्य वैकल्पिक फसल दलहन-तिलहन, मक्का, मोटे अनाज, अन्य सब्जी वाली फसल को लगाकर ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। किसान श्री एवन साहू रबी एवं ग्रीष्मकालीन में धान फसल नहीं लगाने के लिए क्षेत्र के ग्रामीण किसानों जागरूक कर रहे है। साथ ही रबी सीजन में दलहन-तिलहन फसल के साथ नगदी फसल के रूप में औषधी फसल लगाने की तैयारी कर रहे है। इसके लिए आत्मा योजना अंतर्गत किसान श्री एवन साहू की औषधी फसल की उन्नत खेती एवं विक्रय हेतु बाजार की जानकारी देने के लिए शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने किसानों के हित में चलाए जा रहे विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सेवा की कहानी : पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से रौशन हुआ सहदेव का घर

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना नागरिकों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही बिजली बिल से राहत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से हितग्राही अपने घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित कर बिजली की बचत कर रहे हैं। साथ ही अन्य बिजली उपभोक्ताओं को सोलर पैनल स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे है। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम आलिवारा निवासी श्री सहदेव वर्मा मजदूरी का कार्य कर अपने परिवार का पालन पोषण करते है। परिवार बड़ा होने के कारण घर में बिजली की खपत ज्यादा होने के कारण प्रतिमाह 1600 से 1800 रूपए तक बिजली बिल आता था, जो उनके लिए बड़ी समस्या थी। इसी दौरान उन्हें ग्राम पंचायत आलिवारा में आयोजित सूर्य सभा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी मिली। पंचायत सचिव ने सूर्य सभा में बताया गया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घर की छत पर सोलर पैनल लगाया जा रहा है। योजना के तहत हितग्राहियों को केन्द्र सरकार द्वारा 78000 रूपए एवं राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए का अनुदान प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही घर पर सोलर पैनल लगाने के लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्री सहदेव वर्मा ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मिलने वाले अनुदान एवं बिजली बिल से मिलने वाली राहत को देखते हुए योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उनके घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित किया गया। जल्द ही योजना के तहत केन्द्र एवं राज्य शासन से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की अनुदान राशि बैंक खाते में प्राप्त हो गई। उन्होंने बताया कि उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और प्रतिमाह 1600 से 1800 रूपए की बचत कर रहे है। इसके साथ ही अतिरिक्त बिजली उत्पादन होने पर विद्युत विभाग को ग्रिड में जमा किया जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ भी होगा। श्री सहदेव वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उनके जीवन में आर्थिक राहत और बच्चों के बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर आयी है।

राजनांदगांव में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव के इण्डोर हॉल में किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाडिय़ों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खेल मनोरंजन के साथ-साथ जीवन में आगे बढऩे के अवसर भी प्रदान करती हैं। खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने सभी खिलाडिय़ों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। साथ ही कोच एवं आयोजकों को अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करने कहा। अध्यक्ष जिला क्रिकेट संघ श्री सुशील कोठारी ने समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी अपने खेल क्षेत्र से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ का नाम देश-विदेश में रोशन करे। उन्होंने प्रतिभागियों को खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की।

जिला शिक्षा अधिकारी एवं संगठन सचिव 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता श्री प्रवास कुमार सिंह बघेल ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 5 संभाग बस्तर, बिलासुपर, सरगुजा, रायपुर एवं मेजबान दुर्ग से 220 बालक एवं 300 बालिका कुल 520 प्रतिभागी एवं 100 ऑफिसियल्स सम्मिलित हुए है। प्रतियोगिता में हॉकी (बालक-बालिका 17 वर्ष), योगा (बालक-बालिका 14, 17, 19 वर्ष), बैडमिंटन (बालक-बालिका 14 वर्ष), क्रिकेट (बालक 19 वर्ष) खेलों का आयोजन होगा। बैडमिंटन, योगा एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम एवं हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन श्री गुरूनानक स्कूल में आयोजित किया जाएगा। समारोह में रॉयल किड्स कावेन्ट स्कूल राजनांदगांव के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव श्रीमती प्रतिमा चन्द्राकर, पार्षद श्रीमती प्रियंका कुरंजेकर, फील्ड मार्शल श्री शैलेन्द्र तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, प्रतिभागी खिलाड़ी, कोच एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्रीमती शीतल दास एवं व्यायाम शिक्षक श्रीमती सोमू प्रसन्ना द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन प्रभारी सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री देवेन्द्र ठाकुर ने किया।

जनपद अध्यक्ष के गृहग्राम में स्कूलों की बदहाली का आलम

मोहतरा खुर्द के प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं का संकट

पंडरिया/ कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जनपद पंचायत पंडरिया की अध्यक्ष श्रीमती नंदनी साहू के गृह ग्राम पंचायत मोहतरा खुर्द में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला की व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस गांव से जनपद पंचायत का नेतृत्व हो रहा है, उसी गांव के सरकारी स्कूलों में बच्चों को मूलभूत सुविधाओं के लिए उपेक्षा का शिकार होना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मोहतरा खुर्द में विद्यार्थियों के लिए शौचालय तक उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई है।

शासकीय प्राथमिक शाला मोहतरा खुर्द में कुल 120 विद्यार्थीयो की दर्ज संख्या है, जिनमें 48 बालक और 72 बालिकाएं शामिल हैं। वहीं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में 95 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 49 बालक और 46 बालिकाएं हैं। दोनों स्कूलों में मिलाकर कुल 215 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें बालिकाओं की संख्या भी काफी अधिक है, ऐसे में शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओ का अभाव गंभीर चिंता का विषय माना जा रहा है।

खुले में शौच की मजबूरी, पढ़ाई पर भी असर

ग्रामीणों के अनुसार पूर्व माध्यमिक शाला में पर्याप्त शौचालय व्यवस्था नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को शौच के लिए खुले स्थान का सहारा लेना पड़ता है। कई बार बच्चों को अपने घर तक जाना पड़ता है। इससे न केवल विद्यार्थियों को परेशानी होती है, बल्कि विद्यालयीन समय में पढ़ाई भी प्रभावित होती है।

विशेषकर बालिकाओं के लिए विद्यालय में सुरक्षित और पृथक शौचालय का होना अत्यंत आवश्यक है। इसके बावजूद यदि विद्यालय में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है तो यह स्कूल की मूलभूत व्यवस्थाओं पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

सरकारी योजनाओं के दावों पर सवाल

सरकार द्वारा विद्यालयों में स्वच्छता, बालिका शिक्षा, सुरक्षित विद्यालय वातावरण और मूलभूत सुविधाओं को लेकर लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। स्कूलों में शौचालय निर्माण और स्वच्छ पेयजल जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता देने के दावे भी किए जाते हैं। लेकिन मोहतरा खुर्द के स्कूलों की स्थिति इन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े करती दिखाई दे रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की बात तभी सार्थक होगी, जब उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ आवश्यक मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। शौचालय जैसी आवश्यक सुविधा के अभाव में विद्यार्थियों को परेशानी झेलनी पड़े, यह व्यवस्था की गंभीर कमी को दर्शाता है।

जिम्मेदार अधिकारियों से कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने संबंधित शिक्षा विभाग एवं पंचायत प्रशासन से स्कूलों की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कराने की मांग की है। साथ ही विद्यालयों में आवश्यक शौचालय, स्वच्छ पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई है।

अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और 215 विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कब तक ठोस कदम उठाए जाते हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया ने कसी कमर, जापान में जमकर की इंडोर प्रैक्टिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट मुकाबलों की शुरुआत के साथ ही टीम इंडिया ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टूर्नामेंट में मजबूत दावेदारी पेश करने के इरादे से भारतीय मेन्स क्रिकेट टीम ने इंडोर नेट सेशन में जमकर प्रैक्टिस की। BCCI ने इस प्रैक्टिस सेशन का वीडियो भी शेयर किया, जिसमें संजू सैमसन समेत टीम के कई खिलाड़ी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की तैयारियों में जुटे नजर आए। मुख्य कोच VVS लक्ष्मण भी पूरे सेशन के दौरान टीम के साथ मौजूद रहे।

एशियन गेम्स में भारतीय टीम के लिए यह अभियान खास महत्व रखता है। पिछले एशियन गेम्स में भारत ने क्रिकेट में मेन्स कैटेगिरी का गोल्ड मेडल जीता था।

हांगझोउ में ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में अफगानिस्तान का सामना किया था, लेकिन बारिश के कारण मुकाबला पूरा नहीं हो सका। बेहतर सीडिंग के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था।

इस बार भारतीय मेन्स टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में है। टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं, जो इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बना चुके हैं। अय्यर के पास कप्तानी का भी अच्छा अनुभव है। वह IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिला चुके हैं।

इसके अलावा उनकी कप्तानी में मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी, जबकि दिल्ली कैपिटल्स की भी उन्होंने अगुआई की है। 2025 में पंजाब किंग्स को IPL फाइनल तक पहुंचाने में भी अय्यर की अहम भूमिका रही थी। अब उनकी नजर एशियन गेम्स में भारत को गोल्ड दिलाने पर होगी।

स्क्वाड में एक से बढ़कर एक नाम

भारतीय टीम में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और रवि बिश्नोई जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और यश ठाकुर जैसे नाम हैं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और स्पिनर विप्रज निगम को भी टीम में जगह मिली है। तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है।

गौरतलब है कि एशियन गेम्स में महिला क्रिकेट का अभियान समाप्त हो चुका है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लंका को 147 रन से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। महिला प्रतियोगिता की शुरुआत 18 सितंबर से हुई थी, जबकि मेन्स क्रिकेट आज यानी 24 सितंबर से शुरू हो गया है। भारतीय टीम 28 सितंबर से अपने अभियान का आगाज करेगी।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय मेन्स टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, विप्रज निगम, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, यश ठाकुर, अर्शदीप सिंह और वैभव सूर्यवंशी।

मुंबई इंडियंस ने नए हेड कोच के नाम का किया ऐलान, ल्यूक विलियम्स संभालेंगे अब यह जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग का अगला सीजन साल 2027 की शुरुआत में खेला जाएगा, जिसको लेकर अब सभी फ्रेंचाइजियों के पास अधिक समय नहीं बचा है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने अपनी महिला टीम के नए हेड कोच के नाम का ऐलान कर दिया है। पिछले सीजन इस पोजीशन को संभालने वाली लिसा कीटली ने यह पोजीशन छोड़ दी है जिसके पीछे का कारण उनको क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नेशनल डेवलपमेंट हेड बनाया जाना है। अब कीटली के हेड कोच की पोजीशन छोड़ने के बाद मुंबई इंडियंस ने नए हेड कोच के नाम का ऐलान करने में अधिक देर नहीं लगाई जिसमें उन्होंने ल्यूक विलियम्स को यह जिम्मेदारी सौंपी है, जो पहली भी WPL में कोचिंग की जिम्मेदारी को संभाल चुके हैं, जिसमें साल 2024 में जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला टीम ने खिताब जीता था तो उस समय ल्यूक विलियम्स ही उनके हेड कोच थे। ल्यूक विलियम्स ने मुंबई इंडियंस महिला टीम के नए हेड की पोजीशन पर नियुक्त किए जाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की है, जिसमें फ्रेंचाइजी की तरफ से जारी किए गए उनके बयान में उन्होंने कहा कि मैं मुंबई इंडियंस जैसे सम्मानित और सफल फ्रेंचाइजी से जुड़ने और खिलाड़ियों वह सपोर्ट स्टाफ के टैलेंटेड ग्रुप के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमारे पास मिलकर कुछ नया करने रोमांचक क्रिकेट खेलने और सफलता के लिए मुकाबला करने का शानदार मौका रहने वाला है। बता दें कि बतौर कोच ल्यूक विलियम्स का रिकॉर्ड काफी बेहतर रहा है, जिसमें WBBL में उनके कोच रहते हुए एडिलेड स्ट्राइकर्स लगातार दो बार साल 2022 और साल 2023 का खिताब जितने में सफल रही थी।

एशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट का आगाज, पहले ही मुकाबले में रोचक जंग, अफगानिस्तान ने मारी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स में अब मेंस क्रिकेट का आगाज हो चुका है। पहला मुकाबला खेल लिया गया है, जो काफी रोचक रहा। हालांकि टीम इंडिया अभी थोड़े दिन बाद मैदान में उतरेगी, क्योंकि उसे सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। इस बीच पहला मुकाबला जापान और अफगानिस्तान के बीच खेला गया, जो काफी रोचक रहा, हालांकि आखिर में अफगानिस्तानी टीम ने बाजी मार ली। अब टीम क्वार्टर फाइनल में जाने के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रही है।

जापान और अफगानिस्तान के बीच खेले गए एशियन गेम्स के टी20 मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवर में छह विकेट पर 129 रन बनाए। टीम की बैटिंग कोई खास नहीं रही। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद अकरम ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए, इसके लिए उन्होंने 29 बॉल खेली। उन्होंने दो चौके और दो छक्के लगाए। कप्तान दरवेश रसूली ने 27 बॉल पर 29 रन बनाए। उनके बल्ले से चार चौके आए। जापान के सामने जीत के लिए एक आसान लक्ष्य था।

जापानी टीम को 48 रनों से मिली हार

जापानी टीम जब इस टारगेट का पीछा करने के लिए उतरी तो शुरुआत में ही उसे झटके लगने शुरू हो गए। टीम कभी भी संभल ही नहीं पाई। टीम 19.3 ओवर में अपने सभी विकेट गवांकर केवल 81 रन ही बना सकी और मुकाबला 48 रनों से हार गई। हालांकि बीच में एक बार लगा कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, लेकिन टीम की गाड़ी पटरी से उतरती चली गई। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने दो अंक हासिल कर लिए हैं।

लीग फेज में दो ग्रुप में बांटी गई हैं टीमें

एशियन गेम्स के लिए छह टीमों को तीन तीन करके बांटा गया है। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल की टीमें हैं। वहीं ग्रुप बी में हांगकांग चाइना, मलेशिया और ओमान की टीमें नजर आ रही हैं। यहां से जो दो टीमें जीतेंगी, वो क्वार्टर फाइनल में चली जाएंगी। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें पहले ही रैंकिंग के आधार पर वहां हैं।

मैथ्यू ब्रीट्जके ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया बड़ा कारनामा, हेनरिक क्लासेन के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैथ्यू ब्रीट्जके ने एक और बड़ा कारनामा किया है। जो काम अब से करीब छह साल पहले यानी 2020 में हेनरिक क्लासेन ने किया था, वही काम अब ब्रीट्जके ने भी किया है। उन्होंने फिर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार खेल दिखाते हुए 50 से अधिक रनों की पारी खेल दी है। जब एक तरफ से विकेट गिर रहे थे, तब ब्रीट्जके ने जबरदस्त बल्लेबाजी का मुजायरा पेश किया।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस वक्त साउथ अफ्रीका के दौरे पर है, जहां तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला डरबन में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। क्विंटन डिकॉक और टोनी डी जोरजी ओपनिंग के लिए आए। लेकिन टोनी डी जोरजी सात बॉल पर अपना खाता भी नहीं खोल पाए और आउट हो गए। वहीं दूसरे ओपनर डिकॉक भी 14 रन बनाकर चलते बने। तीसरे नंबर पर आए कप्तान टेम्बा बावुमा ने कुछ देर भले ही क्रीज पर बिताए, लेकिन उन्हें भी वापस जाना पड़ा। वे 48 बॉल पर 30 रन बनाकर आउट हुए। नंबर चार पर बैटिंग के लिए उतरे मैथ्यू एक छोर संभाले रहे। उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। साउथ अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में ये लगातार तीसरा अर्धशतक है। इससे पहले ये काम हेनरिक क्लासेन ने किया था। उन्होंने साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार तीन वनडे मैचों में तीन अर्धशतकी पारियां खेली हैं। अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद भी मैथ्यू ब्रीट्जके आउट नहीं हुए और अपनी टीम को मजबूती देने का काम किया। दूसरी ओर रियान रिकल्टन भी 27 रन बनाकर आउट हो गए।

माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया ने अगले साल होने वाली वनडे विश्व कप की तैयारी शुरू कर दी है। साल 2027 में अक्टूबर से लेकर नवंबर तक साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। वक्त करीब यही होगा, इसलिए ऑस्ट्रेलिया टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज वहां खेल रही है, ताकि उसे वहां की कंडीशन का अंदाजा हो जाए। ये तीन मैचों की सीरीज काफी रोचक होने की पूरी उम्मीद है।

व्यापार

अदाणी ग्रुप का कोलकाता में बड़ा निवेश 4000 करोड़ से बनेगा 2000 बेड का अस्पताल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के विकास को एक नई रफ्तार देते हुए अदाणी ग्रुप ने राज्य में अब तक के सबसे बड़े निवेश का ऐलान किया है। गुरुवार को कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में 2000 बेड वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल 'अदाणी आरोग्य मंदिर' की भव्य आधारशिला रखी गई। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अदाणी ग्रुप इस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण पर ₹4,000 करोड़ खर्च करेगा। इस परियोजना से लगभग 10,000 नए रोजगार और नौकरियों के अवसर पैदा होंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को बड़ा लाभ मिलेगा। भूमि पूजन और मंचीय कार्यक्रम के दौरान गौतम अदाणी के साथ उनकी पत्नी प्रीति अदाणी और बेटे करण अदाणी (APSEZ के MD) भी मौजूद रहे। इससे पहले गौतम अदाणी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात कर राज्य में निवेश की प्राथमिकताओं पर चर्चा की।

कोलकाता में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान उद्योगपति गौतम अदाणी ने घोषणा की कि उनका समूह वर्ष 2035 तक पश्चिम बंगाल में ₹1 लाख करोड़ का कुल निवेश करेगा। अदाणी ग्रुप का यह निवेश सिर्फ स्वास्थ्य

क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पोर्ट्स (पोर्ट्स), लॉजिस्टिक्स, पावर, सड़कों और डेटा सेंटर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी विस्तार करेगा।

"मां काली के आशीर्वाद और सीएम के नेतृत्व में बंगाल रचेगा इतिहास": गौतम अदाणी

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, "आज यहां खड़े होकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। यह जगह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वास्थ्य, उम्मीद और मानव गरिमा से जुड़ी एक महत्वपूर्ण संस्था बनेगी। मैं मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं कि वे आज यहां मौजूद हैं। आज सुबह मैं कालीघाट गया और मां काली से 'शक्ति' मांगी। मैंने उनसे साहस के साथ नेतृत्व करने की शक्ति, बड़े सपने देखने की 'इच्छा शक्ति' और उन सपनों को पूरा करने की 'कार्य शक्ति' मांगी। वहां से लौटते समय मेरे मन में एक बात थी कि जब किसी जगह पर बड़े अवसर पैदा होते हैं, तो उनके साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। बंगाल इस समय ऐसे ही एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इस बदलाव को विकास में बदलने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में है। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में बंगाल आने वाले समय में विकास की नई संभावनाएं पैदा करेगा। अदाणी ग्रुप भी इन संभावनाओं को आगे बढ़ाने और बंगाल के विकास में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।"

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने होंडा QC3, होंडा CB500 और रिफ्रेश्ड होंडा CB350 रेंज की कीमतों की घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज नई होंडा QC3 और होंडा CB500 के साथ-साथ रिफ्रेश्ड होंडा CB350 रेंज की कीमतों की घोषणा की, जिसमें CB350, CB350RS और CB350C शामिल हैं। यह घोषणा जुलाई 2026 में पेश किए जाने वाले 10-प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के अगले चरण को दिखाती है, जो होंडा की मल्टी-पाथवे प्रोडक्ट स्ट्रैटेजी और दुनिया के लिए मेक इन इंडिया कमिटमेंट को मज़बूत करती है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, स्थानीय रूप से बनी हेरिटेज रोडस्टर और रिफ्रेश्ड मॉडर्न क्लासिक्स तक फैले ये प्रोडक्ट भारतीय ग्राहकों की अलग-अलग मोबिलिटी ज़रूरतों और राइडिंग की उम्मीदों को पूरा करते हैं। होंडा QC3 की कीमत ₹1,35,000 (एक्स-शोरूम, नई दिल्ली) रखी गई है और इसे शुरू में दिल्ली, आगरा, कटक, सूरत और कोल्लम में कुछ चुने हुए ऑथराइज़्ड होंडा रेडविंग डीलरशिप के ज़रिए लाया जाएगा। एक स्मार्ट फ़ैमिली EV के तौर पर डेवलप की गई QC3 में 145 km सर्टिफाइड IDC रेंज, कनेक्टेड टेक्नोलॉजी और 32-लीटर स्टोरेज है, जो परिवारों और रोज़ाना शहरी राइडर्स के लिए एक प्रैक्टिकल मोबिलिटी सॉल्यूशन देता है।

अल्ट्राटेक ने 300 किसानों को दिया कृषि प्रशिक्षण

रायपुर (एजेंसी)। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की हिरमी सीमेंट वर्क्स इकाई ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के 10 गांवों के 300 से अधिक लघु एवं सीमांत किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने में सहयोग दिया। वर्ष 2023 से चल रही इस पहल में जिला कृषि विभाग, शासकीय कृषि महाविद्यालय भाटापारा और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (प्रोजेक्ट बिहान) का सहयोग लिया गया।

इकाई ने 320 किसानों को प्रशिक्षण, मॉडल फार्म भ्रमण, उन्नत बीज और कृषि उपकरण उपलब्ध कराए। किसानों को फसल विविधीकरण और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी भी दी गई। करीब 100 किसानों को सब्सिडी वाले स्प्रिंकलर सिस्टम का लाभ दिलाने के लिए यूनिट ने उनके हिस्से की लागत में 50 प्रतिशत तक सह-वित्तपोषण किया। इससे किसानों की उत्पादकता और जलवायु अनुकूलन क्षमता बढ़ाने में मदद मिली।

डिजिटल रुपये के नए इस्तेमाल दिखाए एचडीएफसी बैंक ने

मुंबई (एजेंसी)। एचडीएफसी बैंक ने डिजिटल रुपये (सीबीडीसी) के कई नए उपयोग प्रदर्शित किए हैं। इनमें क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट को डिजिटल रुपये में रिडीम करने, ग्राहकों को डिजिटल रुपया गिफ्ट वाउचर देने और कर्मचारियों के भोजन, ईंधन व यात्रा भत्ते डिजिटल रुपये में वितरित करने की सुविधाएं शामिल हैं।

बैंक के मुताबिक, कॉर्पोरेट पोर्टल के जरिए प्रोग्रामेबल भुगतान से खर्च की निगरानी और अनुपालन आसान होगा। डिजिटल रुपया वॉलेट को भीम से जोड़ने की सुविधा से यूपीआई की तरह भुगतान किया जा सकेगा। वहीं, ऑफलाइन सीबीडीसी सुविधा के जरिए विमान में बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी के भी भुगतान संभव होगा। बैंक ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य

नेत्र शिविरों में 600 ग्रामीणों की हुई जांच

सक्ती (एजेंसी)। वेदांता पावर सक्ती थर्मल पावर प्लांट की 'आरोग्य परियोजना' के तहत सिंघीतराई, ओड़ेकेरा, निमोही और बेनीपाली गांव में विशेष नेत्र शिविर लगाए गए। शिविरों में करीब 600 ग्रामीणों की नेत्र जांच की गई। पीएचडी रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित शिविरों में विशेषज्ञों ने मोतियाबिंद, टेराइजियम और दृष्टि दोष समेत अन्य समस्याओं की जांच की।

जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां और करीब 500 चश्मे वितरित किए गए। गंभीर मामलों को आगे के उपचार के लिए सक्ती जिला अस्पताल रेफर किया गया। परियोजना के तहत क्षेत्र में चलित स्वास्थ्य इकाई भी संचालित है, जहां ग्रामीणों को सामान्य बीमारियों की जांच, परामर्श और दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 1200 अंक और निफ्टी 380 अंक टूटा; आखिर मार्केट में क्यों आई सुनामी?

मुंबई (एजेंसी)। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में जोरदार बिकवाली देखने को मिली। शुरुआत से ही दबाव में रहे बाजार में कारोबार खत्म होते-होते गिरावट और गहरी हो गई। सेंसेक्स 1,200 अंक से ज्यादा टूट गया, जबकि निफ्टी 23,100 के नीचे बंद हुआ। खास बात यह रही कि बाजार में गिरावट किसी एक सेक्टर तक सीमित नहीं रही, बल्कि लगभग सभी प्रमुख सेक्टर लाल निशान में बंद हुए।

24 सितंबर को कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,247.71 अंक यानी 1.67% गिरकर 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 383.70 अंक यानी 1.64% टूटकर 23,063.10 पर आ गया। बाजार में करीब 1,400 शेयर बढ़त में रहे, जबकि 2,772 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी पर बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और इंटरग्लोब एविएशन सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में रहे। दूसरी ओर सिप्ला और एनटीपीसी ने

बढ़त दर्ज की।

सभी सेक्टर लाल निशान में

बिकवाली का दबाव इतना व्यापक रहा कि सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी प्राइवेट बैंक में 2.2%, मेटल में 1.9% और बैंक में 1.7% की गिरावट रही। ऑटो और इंफ्रा में 1.5% तथा ऑयल एंड गैस में 1.3% की गिरावट दर्ज की गई। मिडकैप इंडेक्स करीब 2% और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.5% नीचे बंद हुए।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट के कारण

1. अमेरिकी बॉन्ड यील्ड ने बढ़ाई चिंता

बाजार में गिरावट की एक बड़ी वजह अमेरिकी बॉन्ड की ब्याज दर (यील्ड) में तेज बढ़ोतरी रही। अमेरिका की 10 साल की ट्रेजरी यील्ड 2007 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। वहीं 2 साल की ट्रेजरी यील्ड भी 4.9% के पार चली गई। बॉन्ड यील्ड बढ़ने से निवेशकों के लिए बॉन्ड और अन्य सुरक्षित निवेश विकल्प ज्यादा आकर्षक हो सकते हैं। ऐसे में कुछ निवेशक शेयरों से पैसा निकालकर डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगा सकते हैं, जिससे शेयर बाजार पर बिकवाली का दबाव बढ़ जाता है।

2. फेड के फैसले को लेकर बढ़ी चिंता

अमेरिकी आर्थिक गतिविधियों के मजबूत आंकड़ों के बाद बाजार में यह उम्मीद बढ़ी कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लेकर सख्त रुख अपना सकता है। इससे ग्लोबल इक्विटी बाजारों पर दबाव बढ़ा और भारतीय बाजार भी प्रभावित हुआ।

3, कच्चे तेल की कीमतों ने बढ़ाई परेशानी

कच्चे तेल की कीमतों में भी तेजी ने बाजार की चिंता बढ़ाई। तेल की कीमत फिर 102 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गई। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी घटनाक्रम ने तेल

संशोधित ईपीएफ सीमा और सामाजिक सुरक्षा तंत्र का निर्माण, कदम-दर-कदम आगे बढ़ते हुए

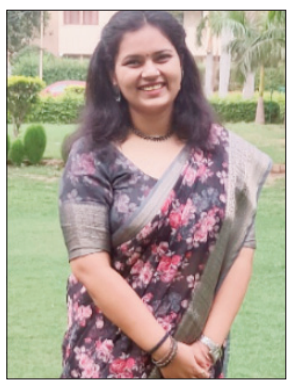

वी. अनंत नागेश्वररन् और सुश्री श्रुति सिंह

मनुष्य अपने भविष्य की कल्पना करने और उसके लिए तैयारी करने में खास अच्छे नहीं होते। 65 वर्ष की उम्र के अपने भावी स्वरूप के लिए कोई बजट नहीं बनाता। हम अक्सर उस छोटे लाभ को चुनते हैं जो जल्दी मिल जाए, बजाय उस बड़े लाभ के जो देर से मिले। व्यवहार अर्थशास्त्र में इसे 'हाइपरबोलिक डिस्काउंटिंग' कहा जाता है। परिणामस्वरूप, सीमित आय में तत्काल उपभोग की जरूरतों को पूरा करने की तुलना में भविष्य में अपने लिए या किसी भावी परिस्थिति के लिए बचत करना और योजना बनाना अक्सर अधिक कठिन होता है। यही कारण है कि ईपीएफओ द्वारा संचालित अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा अंशदान जैसी व्यवस्थाओं की रूपरेखा महत्वपूर्ण है। यह बचत के लिए कामगार की इच्छा या इच्छाशक्ति पर निर्भर किए बिना काम करती है। आय के कामगार के खाते में पहुंचने से पहले ही पेंशन के लिए अंशदान अलग रख दिया जाता है—जो पैसा कभी दिखाई ही नहीं देता, उसे खर्च करना संभव नहीं होता। और धीरे-धीरे, हर महीने वेतन का एक छोटा हिस्सा अलग रखा जाता है, जिससे सेवानिवृत्ति निधि तैयार होती है, जिसका उपयोग आपातकाल में भी किया जा सकता है, साथ ही जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता है—वह भी आपके अपनी ओर से बिना कोई अतिरिक्त प्रयास किए।

विश्वकर्मा जयंती पर, कामग़ारों और शिल्पकारों का सम्मान करने वाले इस पर्व के अवसर पर सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के बहुत समय से लंबित निर्णय की घोषणा की। कोई पूछ सकता है कि सीमा में 10,000 रुपये की वृद्धि से आखिर क्या बदलाव आएगा? इस संशोधन की आवश्यकता क्यों है और इसका कर्मचारी या नियोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तो आइए, मूल बातों से शुरुआत करते हैं।

25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-लिंक्ड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएं भारत में वेतनभोगी कामग़ारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र के मूल आधार हैं: सेवानिवृत्ति / आपातकालीन निधि; नियोक्ता के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान किया जाता है; और जीवन बीमा, जिसे नियोक्ता के अंशदान से ही वित्तपोषित किया जाता है, जिससे कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को सहायता मिल सके। पूर्णतः उचित यही है कि सामाजिक सुरक्षा को साल 2014 से स्थिर किसी संख्या पर आधारित न रखा जाए, जबकि इस अवधि में वेतन, न्यूनतम मजदूरी और जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ती रही है।

पिछली वेतन सीमा के तहत, 15,000 रुपये से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला कोई भी नया कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफ कवरेज से बाहर हो जाता था, ईपीएस के लिए पात्र नहीं होता था और ईडीएलआई के संरक्षण से भी वंचित रहता था। किसी मौजूदा कर्मचारी का वेतन समय के साथ इस सीमा से अधिक हो जाने पर कवरेज समाप्त नहीं होती थी, लेकिन ईपीएस के तहत पेंशन योग्य वेतन 15,000 रुपये पर ही सीमित रहता था। कोई यह तर्क दे सकता है कि अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारी इसके बजाय स्वैच्छिक कवरेज का विकल्प चुन सकते हैं। इस तर्क में समस्या यह है कि सीमा से अधिक वेतन पर स्वैच्छिक नामांकन के लिए संयुक्त विकल्प के तहत नियोक्ता की सहमति आवश्यक होती है, जिससे यह विकल्प सुनिश्चित अधिकार के बजाय सौदेबाज़ी का विषय बन जाता है। बढ़ी हुई वेतन सीमा के साथ, यह कवरेज सौदेबाज़ी का विषय न रहकर अधिकार बन जाएगी।

बढ़ी हुई वेतन सीमा कामगारों से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तो नहीं करती, लेकिन यह औपचारिक सामाजिक सुरक्षा तंत्र को थोड़ा अधिक न्यायसंगत और थोड़ा व्यापक जरूर बनाती है। 10,000 रुपये की वृद्धि भले ही मामूली लगती हो, लेकिन अब सामाजिक सुरक्षा तंत्र के दायरे में आने वाले अतिरिक्त 51 लाख कामगारों की संख्या मामूली नहीं है। और अधिकांश अधिकारों के विपरीत, इस अधिकार का लाभ लेने के लिए कामगार को अपनी ओर से कुछ भी करने की आवश्यकता नहीं है।

मनुष्य अपने भविष्य की कल्पना करने और उसके लिए तैयारी करने में खास अच्छे नहीं होते। 65 वर्ष की उम्र के अपने भावी स्वरूप के लिए कोई बजट नहीं बनाता। हम अक्सर उस छोटे लाभ को चुनते हैं जो जल्दी मिल जाए, बजाय उस बड़े लाभ के जो देर से मिले। व्यवहार अर्थशास्त्र में इसे 'हाइपरबोलिक डिस्काउंटिंग' कहा जाता है। परिणामस्वरूप, सीमित आय में तत्काल उपभोग की जरूरतों को पूरा करने की तुलना में भविष्य में अपने लिए या किसी भावी परिस्थिति के लिए बचत करना और योजना बनाना अक्सर अधिक कठिन होता है। यही कारण है कि ईपीएफओ द्वारा संचालित अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा अंशदान जैसी व्यवस्थाओं की रूपरेखा महत्वपूर्ण है। यह बचत के लिए कामगार की इच्छा या इच्छाशक्ति पर निर्भर किए बिना काम करती है। आय के कामगार के खाते में पहुंचने से पहले ही पेंशन के लिए अंशदान अलग रख दिया जाता है—जो पैसा कभी दिखाई ही नहीं देता, उसे खर्च करना संभव नहीं होता। और धीरे-धीरे, हर महीने वेतन का एक छोटा हिस्सा अलग रखा जाता है, जिससे सेवानिवृत्ति निधि तैयार होती है, जिसका उपयोग आपातकाल में भी किया जा सकता है, साथ ही जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता है—वह भी आपके अपनी ओर से बिना कोई अतिरिक्त प्रयास किए।

हालांकि, इस संशोधन के साथ नियोक्ताओं के लिए एक लागत भी जुड़ी हुई है। अनिवार्य वेतन सीमा अब बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने के साथ, नियोक्ताओं को काफी अधिक संख्या में कर्मचारियों को वैधानिक ईपीएफ कवरेज प्रदान करनी होगी और उनके मासिक अंशदान संबंधी दायित्व भी बढ़ जाएंगे। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला ऐसा कर्मचारी, जो पहले अनिवार्य कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में आएगा और नियोक्ता के लिए इस कर्मचारी को ईपीएफ कवरेज प्रदान करना अनिवार्य होगा।

अब नियोक्ता को वेतन का 12 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जो ईपीएस पेंशन योजना और कर्मचारी के अपने ईपीएफ खाते के बीच विभाजित होगा। यह राशि प्रति कर्मचारी प्रति माह 2,640 रुपये या वार्षिक 31,680 रुपये होगी। ऐसे 20 कर्मचारियों के मामले में, यह अतिरिक्त पेरोल लागत के रूप में प्रति वर्ष 6,33,600 रुपये होगी। इसके अलावा, ईडीएलआई बीमा अंशदान भी होगा, जो राशि में भले ही छोटा है, लेकिन अब इसकी गणना भी अधिक वेतन आधार पर की जाएगी। नियुक्ति संबंधी निर्णय लेते समय यह नियोक्ताओं के लिए एक वास्तविक लागत है।

अधिक लागत कंपनी के लिए एक स्पष्ट निष्कर्ष प्रतीत होती है, लेकिन यह केवल प्रारंभिक प्रभाव है और रोजगार बाजार इससे कहीं अधिक जटिल है।

अधिक ईपीएफ कवरेज भर्ती के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में काम करता है, जिससे अधिक कुशल और अधिक कार्य-क्षमता वाले कामगार आकर्षित होते हैं, क्योंकि नए कर्मचारी किसी नौकरी का मूल्यांकन करते समय केवल मासिक वेतन को ही ध्यान में नहीं रखते। यह कवरेज कर्मचारियों को लंबे समय तक बनाए रखने में भी सहायक हो सकती है। पेंशन और बीमा लाभ वाला कामगार संभवतः अधिक समय तक काम पर बना रहेगा और नौकरी की शुरुआत थोड़ी अधिक सुरक्षा के साथ करेगा। दूरदर्शी नियोक्ता पहले से ही इसे समझते हैं और अच्छी प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए स्वैच्छिक कवरेज प्रदान करते हैं।

सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा यह है कि यह ट्रैम्पोलीन की तरह न केवल आपको संभालती है, बल्कि फिर से उछलकर आगे बढ़ने में भी सक्षम बनाती है। इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य कामगारों को ऐसा कोष उपलब्ध कराना है, जिससे वे आपातकाल के समय या सेवानिवृत्ति के बाद आवश्यकता पड़ने पर धन प्राप्त कर सकें, जिससे कोई अस्थायी संकट जीवनभर की कठिनाई का रूप न ले और उन्हें ऋण-जाल में न फंसाए।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी पहलें, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाया है, इस सुरक्षा तंत्र को और मज़बूत बनाती हैं। बदलते रोज़गार स्वफरूप हेतु तैयारी करने के लिए मजबूत उद्योग संपर्कों के साथ, कौशल उन्नयन, पुनःकौशल विकास और नव कौशल विकास के लिए कौशल विकास पारितंत्र का निर्माण किया जा रहा है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) अंशदायी पेंशन कवरेज को उन लोगों के लिए कम आय वर्ग तक और आगे बढ़ाती है, जो निवेश जोखिम उठाने और आर्थिक तथा बाजार वृद्धि के लाभों में भागीदारी के इच्छुक हैं। यह ट्रैम्पोलीन भी कदम दर कदम मज़बूत होता जा रहा है।

(पीआईबी)

(वी. अनंत नागेश्वरन् भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं और श्रुति भारतीय आर्थिक सेवा की एक अधिकारी हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।)

सेवा की कहानी : नमकीन के स्वाद के साथ बढ़ी आमदनी, पीएमएफएमई योजना से महेंद्र ने शुरू किया अपना कारोबार

कोरबा (दैनंदिनी ब्यूरो)। अपने हुनर को व्यवसाय में बदलने के बाद उसे आगे बढ़ाने के लिए पूंजी की जरूरत होती है। ऐसे समय में शासकीय योजनाओं से मिलने वाला वित्तीय सहयोग छोटे उद्यम को नई क्षमता दे सकता है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के जरिए खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्यमियों को ऋण और अनुदान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कोरबा शहर के सीएसईबी कॉलोनी, बुधवारी बाजार निवासी श्री महेंद्र कुमार देवांगन ने इसी सहायता का उपयोग अपने मिक्चर एवं नमकीन निर्माण व्यवसाय को विस्तार देने में किया।

महेंद्र ने बताया उनका खुद का कारोबार शुरू करने की इच्छा बहुत पहले से थी। पर व्यवसाय के लिए शुरुआत में लगने वाली बड़ी राशि जुटाने की समस्या थी। ऐसे में उन्हें विभाग के माध्यम से योजना की जानकारी मिली। व्यवसाय को आगे बढ़ाने की संभावना को देखते हुए उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र से संपर्क किया और आवेदन प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद बैंक से 10

लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। परियोजना के लिए उन्हें 35 प्रतिशत के हिसाब से लगभग 3.50 लाख रुपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ। शेष ऋण राशि वे आसान किश्तों और किफायती ब्याज दर के माध्यम से चुका रहे हैं।

मिली वित्तीय सहायता से महेंद्र ने मिक्चर सहित अलग-अलग प्रकार के नमकीन तैयार करने के लिए नई मशीनें खरीदीं। मशीनों के आने से उत्पादन बढ़ा और बाजार की मांग के अनुरूप अधिक मात्रा में नमकीन तैयार करना संभव हुआ। आज उनके उत्पाद आसपास के होटल, रेस्टोरेंट और दुकानों तक पहुंच रहे हैं। शादी-विवाह और अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए भी उन्हें ऑर्डर मिलते हैं। व्यवसाय के विस्तार के साथ वे नियमित रूप से अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

महेंद्र बताते हैं कि योजना से पहले उनके पास आय का कोई स्थायी और निश्चित जरिया नहीं था। कारोबार को आगे बढ़ाने के बाद आमदनी में वृद्धि हुई है, जिससे परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने में सुविधा हो रही है और जीवन में स्थिरता आई है।

अपने अनुभव को साझा करते हुए श्री महेंद्र कुमार देवांगन कहते हैं, "योजना की जानकारी मिलने के बाद मुझे लगा कि अपने काम को बड़े स्तर पर ले जाने का अवसर मिल सकता है। ऋण और अनुदान मिलने से आधुनिक मशीनें खरीद पाया। अब उत्पादन पहले से काफी बढ़ गया है और आसपास के दुकानदारों, होटल-रेस्टोरेंट से लगातार काम मिल रहा है। शादी-विवाह के ऑर्डर भी आते हैं। पहले आमदनी का कोई निश्चित जरिया नहीं था, लेकिन अब अपने व्यवसाय से अच्छी आय हो रही है और परिवार की जरूरतें आसानी से पूरी कर पा रहा हूं।"

महेंद्र ने कहा कि शासकीय योजनाओं से मिले सहयोग ने उन्हें अपने व्यवसाय में निवेश करने, उत्पादन बढ़ाने और रोजगार के अवसर तैयार करने में मदद की है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता से उनके लिए अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना संभव हुआ है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ विजय कुमार भारिया का घर

कोरबा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। योजना का लाभ लेकर कोरबा जिले के तानाखार निवासी श्री विजय कुमार भारिया ने अपने घर की बिजली जरूरतों के लिए सौर ऊर्जा को अपनाया है। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद उनके परिवार को बिजली बिल के खर्च में उल्लेखनीय राहत मिली है।

श्री विजय कुमार भारिया एक सामान्य परिवार से आते हैं। योजना का लाभ मिलने से पहले प्रत्येक माह आने वाला बिजली बिल उनके पारिवारिक बजट का एक हिस्सा खर्च कर देता था। बिजली की बढ़ती जरूरतों के साथ बिल का भुगतान परिवार के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन रहा था।

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज में गूंजा नवाचार का संदेश

युवाओं की सोच में ही विकसित भारत की नींव : अनिल चंद्राकर

नवाचार से समाधान और आइडिया से स्टार्टअप की ओर बढ़ें युवा : डॉ. आशीष शर्मा

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत गुरुवार को गरियाबंद जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, वीर सुरेंद्र साय महाविद्यालय तथा शासकीय आईटीआई गरियाबंद में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को नवाचार, तकनीकी सोच, स्टार्टअप, स्वरोजगार एवं उद्यमिता की संभावनाओं से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश 'नवाचार से समाधान और आइडिया से स्टार्टअप' रहा। विभिन्न संस्थानों में विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अतिथियों ने उन्हें अपनी प्रतिभा और तकनीकी ज्ञान का उपयोग समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए करने के लिए प्रेरित किया।

युवाओं की सोच में ही विकसित भारत की नींव : अनिल चंद्राकर

वीर सुरेंद्र साय महाविद्यालय, गरियाबंद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अनिल चंद्राकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान में देश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण भागीदार है। युवाओं की प्रतिभा, नई सोच और तकनीकी क्षमता को सही दिशा मिले तो वे समाज की अनेक चुनौतियों के समाधान खोज सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में नवाचार, स्टार्टअप, कौशल विकास और स्वरोजगार को प्रोत्साहन मिल रहा है। युवाओं के सामने अपनी प्रतिभा को अवसर में बदलने के अनेक रास्ते हैं। आवश्यकता है कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ अपने आसपास की समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए नए विचारों पर काम करें।साथ ही उन्होंने कहा कि नवाचार केवल नई तकनीक तैयार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की जरूरतों को समझकर बेहतर और सरल समाधान तैयार करना भी नवाचार है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं के समाधान में भी युवाओं की रचनात्मक सोच महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

नवाचार से समाधान और आइडिया से स्टार्टअप की ओर बढ़ें युवा : डॉ. आशीष शर्मा

शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज गरियाबंद में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आशीष शर्मा, जिला महामंत्री भाजपा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज किसी भी देश और समाज की प्रगति उसकी नई सोच और नवाचार की क्षमता से तय होती है। हमारे युवाओं के पास प्रतिभा, ऊर्जा और नए विचारों की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल इन विचारों को सही दिशा और उचित अवसर देने की है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अपने आसपास की समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए नए विचार विकसित करें। एक छोटा-सा आइडिया भविष्य में बड़े स्टार्टअप का रूप ले सकता है। नवाचार केवल बड़ी मशीन या नई तकनीक बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसी समस्या का बेहतर, सरल और उपयोगी समाधान तलाशना भी नवाचार है।

तकनीकी कौशल को उद्यमिता से जोड़ने पर जोर

इसी क्रम में शासकीय आईटीआई, गरियाबंद में भी सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहा भाजपा जिला मंत्री श्री सुरेंद्र सोंनटेके एवं मंडल अध्यक्ष श्री सुमित पारख ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

वक्ताओं ने कहा कि आईटीआई एवं तकनीकी संस्थानों में अध्ययनरत युवाओं के पास व्यावहारिक एवं तकनीकी कौशल होता है। यदि इस कौशल को नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा जाए तो युवा अपने लिए रोजगार के साथ-साथ दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर तैयार कर सकते हैं। विद्यार्थियों को नई तकनीकों को सीखने, अपनी दक्षता बढ़ाने और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

तीनों संस्थानों में दिखा विद्यार्थियों का उत्साह

शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा, रितेश यादव, एल्डरमेन नगर पालिका परिषद गरियाबंद, जिला सोशल मीडिया संयोजक अमित वखरिया, शुभम सांग सहित पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य श्री ए.के. रॉय, दीनबंधु ध्रुव, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वीर सुरेंद्र साय महाविद्यालय में जिला कोषाध्यक्ष अजय रोहरा सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। वहीं शासकीय आईटीआई में मंडल अध्यक्ष सुमित पारख ने विद्यार्थियों से संवाद किया।

कार्यक्रमों के दौरान विद्यार्थियों में नवाचार एवं स्टार्टअप को लेकर उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों ने अपने नए विचारों को आगे बढ़ाने तथा उन्हें व्यावहारिक रूप देने के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कपनी लिमिटेड

(छ.रा.वि.मं. की एक उत्तरवर्ती कंपनी) (छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम)

CSPDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

CIN:U40108CT2003SGC015822

कार्यालय-कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)

क्रमांक 02-11/सृजन / 3023 — रायपुर, दिनांक 11 SEP 2026

// आदेश //

संचालक मंडल की 142वीं बैठक दिनांक 13.08.2026 में पारित संकल्प अनुसार छ.स्टे.पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि. के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत **नवीन 12 जोन यथा मंगला, कोनी, सरोना, कौशल्या माता विहार, गोगांव, डोंगरगढ़, बांकीमोंगरा, बालोद, बेमेतरा, कांकेर, जशपुर एवं पेण्ड्रारोड जोन तथा 02 वितरण केन्द्र यथा लोरमी (ग्रामीण) एवं जेवरा-सिरसा वितरण केन्द्र** का सृजन किया जाता है, जिसके संचालन हेतु कार्यक्षेत्र का विभाजन एवं पुनर्गठन निम्नानुसार है:-

स. क्र.	क्षेत्र	वृत्त	संभाग	विद्यमान जोन /वितरण केन्द्र	सृजित जोन
1	बिलासपुर क्षेत्र	नगर वृत्त बिलासपुर	नगर संभाग-दो (पश्चिम)	नेहरू नगर जोन	मंगला
2	बिलासपुर क्षेत्र	नगर वृत्त बिलासपुर	नगर संभाग-दो (पश्चिम)	सरकंडा एवं बसंत विहार जोन	कोनी
3	रायपुर शहर क्षेत्र	नगर वृत्त (एक) रायपुर	नगर संभाग (पश्चिम), रायपुर	चंगोराभाठा जोन	सरोना
4	रायपुर शहर क्षेत्र	नगर वृत्त (एक) रायपुर	नगर संभाग (दक्षिण), रायपुर	पुरैना, रावणभाठा एवं देवपुरी जोन	कौशल्या माता विहार जोन
5	रायपुर शहर क्षेत्र	नगर वृत्त (दो) रायपुर	नगर संभाग (उत्तर), रायपुर	गुढ़ियारी एवं खमतराई जोन	गोगाँव जोन
6	राजनांदगाँव क्षेत्र	राजनांदगाँव वृत्त	(संचा./संधा) संभाग डोंगरगढ़	डोंगरगढ़ (श.) वितरण केन्द्र	डोंगरगढ़ जोन
7	बिलासपुर क्षेत्र	कोरबा वृत्त	नगर संभाग कोरबा	दर्री जोन	बांकीमोंगरा जोन
8	दुर्ग क्षेत्र	दुर्ग वृत्त	(संचा./संधा) संभाग बालोद	बालोद (श.) एवं झलमला वितरण केन्द्र	बालोद जोन
9	दुर्ग क्षेत्र	दुर्ग वृत्त	(संचा./संधा) संभाग बेमेतरा	बेमेतरा (श.) एवं रांका वितरण केन्द्र	बेमेतरा जोन
10	जगदलपुर क्षेत्र	कांकेर वृत्त	(संचा./संधा) संभाग कांकेर	कांकेर (श.) एवं कांकेर (ग्रा.) वितरण केन्द्र	कांकेर जोन
11	अंबिकापुर क्षेत्र	कुनकुरी वृत्त	(संचा./संधा) संभाग जशपुर	जशपुर (श.) वितरण केन्द्र	जशपुर जोन

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने स्वच्छता अभियान में किया श्रमदान, केलो नदी में डुबकी लगाकर किया नमन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' पहल के तहत रायगढ़ में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और शहरी अधोसंरचना विकास को एक साथ जोड़ते हुए केलो नदी तट के स्थायी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने गुरुवार को खर्राघाट में 29.99 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों के साथ स्वच्छता अभियान में स्वयं श्रमदान कर जनभागीदारी का संदेश दिया। परियोजना के तहत शनि मंदिर से खर्राघाट तक करीब 2 किलोमीटर क्षेत्र का विकास करने के साथ खर्राघाट में लगभग 8.50 एकड़ क्षेत्र में ऑक्सीजोन विकसित किया जाएगा। सेवा मेरा योगदान के तहत खर्राघाट और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने स्वयं श्रमदान करते हुए कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने नागरिकों से केलो नदी, घाटों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। इस दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने केलो नदी में डुबकी लगाकर नदी को नमन किया। उन्होंने कहा कि केलो नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि रायगढ़ की पहचान, आस्था और संस्कृति से जुड़ी हुई है। इसी भावना के साथ नदी और इसके तटों को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए स्थायी विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि खर्राघाट का विकास केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं रहेगा। इसे ऐसा सुव्यवस्थित सार्वजनिक क्षेत्र बनाया जाएगा, जहां नागरिकों को प्रकृति के बीच बेहतर वातावरण के साथ स्वास्थ्य और मनोरंजन से जुड़ी सुविधाएं भी मिल सकें। यहां ऑक्सीजोन, सुव्यवस्थित घाट, पैदल पथ, व्यायाम की सुविधाएं तथा मॉर्निंग और नाइट वॉक के लिए बेहतर स्थान विकसित किए जाएंगे। परिवारों के साथ समय बिताने के लिए भी सुविधाजनक सार्वजनिक क्षेत्र तैयार होगा।

उन्होंने बताया कि खर्राघाट से शनि मंदिर की दिशा में आगे मरीन ड्राइव विकसित करने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में केलो नदी तट का सुव्यवस्थित और चरणबद्ध विकास हो सकेगा। परियोजना के अंतर्गत शनि मंदिर से खर्राघाट पुल तक करीब 2 किलोमीटर सड़क का सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन किया जाएगा। सड़क के साथ नाली निर्माण, पैदल पथ और नदी तट का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पचरी घाट का नवीनीकरण एवं सुधार होगा तथा घाट को पाथवे से जोड़ने के लिए संपर्क मार्ग विकसित किया जाएगा। शनि मंदिर के पास तिराहे का चौड़ीकरण कर यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाया जाएगा। खर्राघाट में करीब 8.50 एकड़ क्षेत्र में ऑक्सीजोन विकसित होगा। यहां सघन पौधरोपण के साथ पार्किंग, पाथवे, घाट तथा व्यायाम और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। ऑक्सीजोन और घाट के बीच सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा पुल के नीचे अंडरपास यानी बॉक्स कल्वर्ट भी बनाया जाएगा।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार को भी प्राथमिकता दी जा रही है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में गार्डन और ऑक्सीजोन विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने आने वाले पांच वर्षों में रायगढ़ में 10 से अधिक ऑक्सीजोन विकसित करने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि खर्राघाट का ऑक्सीजोन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत 49.66 करोड़ के 50 कार्यों को मंजूरी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

शहरों को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत 49 करोड़ 66 लाख रुपए के 50 कार्यों को मंजूरी दी गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में हुई स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (SLTC) की 13वीं बैठक में इन कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रालय में हुई बैठक में 42 आकांक्षी शौचालयों सहित सतत स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अनुपचारित जल प्रबंधन से जुड़े कई कार्यों को मंजूरी दी गई। इन कार्यों से शहरों में नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा तथा स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्वीकृत परियोजनाओं के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन की निगरानी के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सलाहकार (PMC) की नियुक्ति को स्वीकृति दी गई। साथ ही अनुपचारित जल प्रबंधन के अंतर्गत 5 नगरीय निकायों से प्राप्त निविदा दरों से संबंधित प्रस्तावों पर भी आवश्यक स्वीकृतियां जारी की गईं। इससे इन निकायों में जल प्रबंधन से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी।

बैठक में नगरीय क्षेत्रों में शून्य अपशिष्ट मॉडल को बढ़ावा देने और स्वच्छता प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने विभिन्न नवाचारों पर चर्चा की गई। कचरे के स्रोत स्तर पर पृथक्करण, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने के साथ स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप नवाचार आधारित मॉडल विकसित करने तथा उन्हें व्यापक स्तर पर लागू करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। समिति ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करने और शहरों में सतत स्वच्छता व्यवस्था स्थापित करने पर विशेष बल दिया, ताकि इन परियोजनाओं का लाभ शीघ्र आम नागरिकों तक पहुंच सके। राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल, वित्त विभाग एवं अन्य विभागों के प्रतिनिधि, भारत सरकार के प्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी ऑनलाइन एवं भौतिक रूप से बैठक में शामिल हुए।

स्मृति ईरानी को BJP के प्रभारी बनाए जाने पर भूपेश बघेल का तंज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की नई जिम्मेदारी को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ का बीजेपी प्रभारी बनाए जाने पर तंज कसा है। उन्होंने स्मृति ईरानी को "चोट खाई हुई" और "घायल शेरनी" बताते हुए कहा है कि अब देखना होगा कि छत्तीसगढ़ आने के बाद वह किसे हटाती हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि "स्मृति ईरानी का वनवास खत्म हुआ है। चोट खाई हुई स्मृति ईरानी हैं, घायल शेरनी हैं। यहां आने के बाद किसको हटाती हैं, यह देखना होगा।" उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में सियासी चर्चा तेज हो गई है। भूपेश बघेल ने स्मृति ईरानी के पुराने चुनावी मुद्दों का जिक्र करते हुए गैस सिलेंडर की कीमत को लेकर भी बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी सिलेंडर लेकर बैठी थीं और मोदी गारंटी के तहत 500 रुपये में सिलेंडर देने की बात कही गई थी। बघेल के इस बयान को बीजेपी की चुनावी गारंटियों और महंगाई के मुद्दे से जोड़कर देखा जा रहा है। कोरबा में किसानों की आत्महत्या को लेकर भूपेश बघेल ने कहा, BJP की सरकार में किसान आत्महत्या की दौर से गुजर रहा।सरकार नहीं चाहती की किसानों का धान खरीदें। इसके लिए अनेक प्रकार के षड्यंत्र कर रहे हैं। किसान की हालत क्यों खराब हुई, यह जांच का विषय है। असम दौरे से लौटे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, वहां काफिले में हुए पथराव को लेकर कहा, सांसद रकीबुल हुसैन ने SP को घटना की जानकारी पहले ही दी थी। SP, एडिशनल SP ने आश्वस्त किया था कि ऐसा कुछ नहीं होगा। घटना के दौरान काले और बीजेपी के झंडे लिए कुछ लोग थे। ग्लास बम, एसिड और पथराव काफिले में हुआ। भाजपा कांग्रेस को डराना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का उत्साह अब और भी अधिक है। स्कूली बच्चों के परीक्षा पेपर वाट्सअप पर वायरल होने के मामले में भूपेश बघेल ने कहा, कोई कंट्रोल ही नहीं है। शिक्षा विभाग के लोग दिया जला रहे हैं। सब दिया जलाने में व्यस्त हैं तो परीक्षा पेपर तो व्हाट्सएप में आना ही आना है।

भाजपा में बड़ा संगठनात्मक बदलाव

पवन साय झारखंड भेजे गए, कर्मवीर सिंह को छग की कमान

रायपुर,24सितंबर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन में बड़ा फेरबदल किया गया है। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी अब कर्मवीर सिंह को सौंपी गई है। वहीं शिव प्रकाश को राष्ट्रीय सह महामंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं मौजूदा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय को झारखंड की संगठनात्मक जिम्मेदारी दी गई है।

इसी फेरबदल के तहत भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल को महाराष्ट्र में संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने की जानकारी सामने आई है। तीनों नेताओं की जिम्मेदारियों में बदलाव को भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण फेरबदल के तौर पर देखा जा रहा है। पवन साय लंबे समय से छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। अब उन्हें झारखंड की जिम्मेदारी दिए जाने की बात सामने आई है। वहीं अजय जामवाल को महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। छत्तीसगढ़ में प्रदेश संगठन महामंत्री की नई जिम्मेदारी कर्मवीर को मिलने के बाद प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक कामकाज में भी बदलाव देखने को मिलेगा। पार्टी स्तर पर होने वाले आगामी कार्यक्रमों और संगठन के विस्तार में उनकी भूमिका अहम रहेगी। छत्तीसगढ़ भाजपा के नए प्रदेश संगठन महामंत्री बनाए गए कर्मवीर सिंह का संगठनात्मक अनुभव लंबा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक प्रचारक रहे कर्मवीर सिंह भाजपा में भी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। उत्तर प्रदेश में सह-संगठन मंत्री की भूमिका निभाने के बाद अगस्त 2022 में उन्हें झारखंड भाजपा का प्रदेश संगठन महामंत्री बनाया गया था। पार्टी और संघ के बीच समन्वय से लेकर संगठन के विस्तार और अभियानों को गति देने में उनकी भूमिका अहम रही है। ज्ञात हो कि कल ही श्रीमती

कांग्रेस में अमेठी की पटखनी का खौफ दिख रहा: साव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश प्रभारी बनने के बाद कांग्रेस ने उनके संसद में दिए गए भाषण, और गैस सिलेंडर और शक्कर के बढ़े दामों को लेकर पोस्टर जारी कर निशाना साधा है. इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने तंज कसते हुए कहा कि स्मृति ईरानी ने अमेठी में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को पटकनी दी थी, उसका खौफ अब छत्तीसगढ़ कांग्रेस में भी दिखाई दे रहा है.

दरअसल, स्मृति ईरानी के संसद में अडानी को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा आदिवासियों के विरोध के बावजूद काम देने का आरोप लगाया था. छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने इस भाषण के साथ सिलेडर और शक्कर की बड़ी कीमतों पर सोशल मीडिया में पोस्टर जारी कर निशाना साधा है. इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस को

स्मृति ईरानी के नाम का डर है, जिन्होंने राहुल गांधी के घर में जाकर उन्हें चुनाव में पटकनी देने का काम किया, उनके छत्तीसगढ़ प्रभारी बनने से कांग्रेस डरी हुई है. उन्हें डर है कि अगर उनके सबसे बड़े नेता का ऐसा हश्र हुआ है, तो उनका यहां क्या होगा. वहीं स्मृति ईरानी के प्रदेश प्रभारी नियुक्त होने पर अरुण साव ने कहा कि स्मृति ईरानी अनुभवी, तेज-तर्रार और सक्रिय राजनेता रही हैं. उन्होंने सरकार में बड़े विभागों की जिम्मेदारी संभाली है, और उनका लंबा राजनीतिक अनुभव है. संघर्षशील और मेहनती राजनेता के तौर पर उनकी पहचान है. ऐसे अनुभवी नेता के प्रदेश प्रभारी के रूप में छत्तीसगढ़ आने से निश्चित रूप से लाभ होगा. संगठन मजबूत होगा और सरकार चलाने में भी उनका सहयोग मिलेगा. वह पार्टी और सरकार के लिए मददगार साबित होंगी. निकाय चुनाव को लेकर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है, जो हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहता है. हम हमेशा जनता के बीच रहते हैं. 15 निकायों के चुनाव के लिए बीजेपी पूरी तरह से तैयार है. इसकी गतिविधियां शुरू हो चुकी है, और इस चुनाव में अधिकांश निकायों में हमारी जीत होगी, क्योंकि जनता ने हमारा काम देखा है.

रावतपुरा कॉलोनी में श्री गणेश जन कल्याण समिति ने की भव्य गणेश स्थापना

भोलेनाथ के स्वरुप में विराजे गणपति बप्पा, दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु

रायपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गणेश जन कल्याण समिति, रावतपुरा कॉलोनी में श्री गणेश भगवान की भव्य स्थापना की गई है इस वर्ष बप्पा भगवान भोलेनाथ के स्वरूप में, हाथ में त्रिशूल लिए हुए अत्यंत मनमोहक रूप में विराजमान हुए हैं। भगवान के दिव्य और अलौकिक दर्शन के लिए पूरे मोहल्ले में भक्तों का तांता लगा हुआ है इस अवसर पर अध्यक्ष - श्री विजय सिंह ठाकुर, संरक्षक - उपाध्यक्ष श्री सतीश गोस्वामी,श्री नरेश सेन जी, सलाहकार - श्री रशीद अली, श्री राकेश ठाकुर, श्री विष्णु ठाकुर, श्री विजय कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष - श्री चिंतामणि जांगड़े, सचिव - श्री प्रेमप्रकाश गजेन्द्र, सह-सचिव - श्री प्रमोद बघमार, कोषाध्यक्ष - श्री शक्ति सोनकर, सह-कोषाध्यक्ष - श्री विवेक सिंह ठाकुर, डॉ. जीतेन्द्र सोनकर,श्री राघवेंद्र सिँह राजपूत,श्री संतोष सेन, श्री संदीप साहू, श्री अश्वनी दीवान, श्री के.एन. वर्मा, श्री सौरभ चंद्राकर, श्री मनोज साहू, श्री हेमन्त साहू, श्री शिव शम्भू पटेल, श्री राधे मेडिकल, श्री मनोज जैन, श्री चन्दभूषण नायक,

श्री विकास राय, श्री शिव सोनी, श्री विकास निगम, श्री निरंजन साव, सुश्री स्नेहा साहू, श्रीमती वर्मा आंटी, सुश्री दीक्षा अग्रवाल, श्री प्रफुल्ल देवांगन, श्री अशरफ मोहम्मद, श्रीमती राधा रानी, श्री कोमल साहू, श्री के.एस. चंद्राकर, श्री अमरनाथ शुक्ला, श्री ललित साहू, श्री ईश्वर पाल, श्री कैलाश पाल, श्री जीवन माधुरी, श्री भूषण सिन्हा, श्री आशु ठाकुर,श्री सौरभ चंद्राकर,श्री अनुराग तिवारी,श्री प्रेम पाल, श्री लल्ला सेन, श्री भास्कर सेन एवं समस्त रावतपुरा कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।कॉलोनी के बड़े-बुजुर्ग, सियान, माताएं-बहनें, युवा साथी और छोटे-छोटे बच्चों सहित सभी भक्त सुबह-शाम एक स्वर में एकत्र होकर प्रतिदिन गणेश जी की आरती में शामिल हो रहे हैं। आरती के दौरान पूरा वातावरण "गणपति बप्पा मोरया" के जयकारों से गूंज उठता है।समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य तन-मन से सेवा में लगे हुए हैं।

नवनियुक्त कांग्रेस प्रभारी भगत का पहला छत्तीसगढ़ दौरा 27 से

रायपुर। लोकसभा सांसद सुखदेव भगत छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद पहली बार 27 सितंबर को प्रदेश आ रहे हैं. तीन दिवसीय प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठक करेंगे. जारी किए गए शेड्यूल के अनुसार, तीन दिवसीय प्रवास के दौरान पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी, ज़िला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों, संगठनों एवं विभागों प्रमुखों के अलावा कनेक्ट सेंटर टीम के साथ बैठक करेंगे. इसके अलावा वरिष्ठ नेताओं के साथ वन-टू-वन भी बैठक करेंगे.

स्टाफ बस में आग के विरोध में कर्मियों ने मंत्रालय के सामने किया प्रदर्शन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

नवा रायपुर में मंत्रालय स्टाफ बस में आग लगने की घटना के बाद कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में कर्मचारी मंत्रालय के बाहर इकट्ठा हुए और बसों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही सभी स्टॉफ बसों की फिटनेस और तकनीकी स्थिति की जांच कराने की मांग की है। कर्मचारियों का आरोप है कि स्टाफ को लाने-ले जाने वाली ज्यादातर बसें पुरानी और कंडम हो चुकी हैं, जिसको लेकर पहले भी कई बार अधिकारियों को शिकायत की जा चुकी है। कई बार मंत्रालय जाते समय बस रास्ते में चार से पांच बार तक बंद हो जाती थी। कर्मचारियों का कहना है कि अगर संभव हो तो नई बसें उपलब्ध कराई जाएं या फिर मौजूदा बसों की नियमित रूप से फिटनेस और तकनीकी जांच सुनिश्चित की जाए। वहीं, घटना की जिम्मेदारी तय करने के लिए

कमेटी के गठन की बात सामने आई है। कर्मचारियों का कहना है कि बस में आग लगने की घटना पहली बार नहीं है। संघ की ओर से लगातार अधिकारियों को बसों की स्थिति से अवगत कराया जाता रहा है। इन बसों में पहले भी छोटी-मोटी घटनाएं होती रही हैं और इसकी जानकारी अधिकारियों के संज्ञान में थी। कर्मचारियों ने सवाल उठाया कि परिवहन विभाग की ओर से बसों की फिटनेस जांच की जाती है, लेकिन यह जांच सिर्फ नाममात्र की है या वास्तव में बसों का तकनीकी परीक्षण किया जाता है। कमेटी में मंत्रालय के कर्मचारियों के साथ NRDA, निगम के अधिकारी, बस ऑपरेटर और संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे और कर्मचारियों के संघ के साथ कमेटी की बैठक होगी। बैठक में तय किया जाएगा कि जो घटना हुई उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा और जवाबदेही तय की जाएगी फिर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो।

क्या 'कर्मवीर' पाट पाएंगे सत्ता और संगठन की खाई?

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में एक बड़ा और बहुप्रतीक्षित संगठनात्मक फेरबदल करते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि आलाकमान राज्य की आंतरिक राजनीतिक गतिशीलता पर पैनी नजर रखे हुए हैं। एक दशक से अधिक समय तक संगठन की धुरी रहे प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय को झारखंड और क्षेत्रीय प्रभारी अजय जामवाल को मुंबई भेजना महज एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है। इन दोनों दिग्गजों की जगह अब कर्मवीर को प्रदेश के नए संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव एक ओर जहां पार्टी की राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा है, वहीं दूसरी ओर यह छत्तीसगढ़ भाजपा के भीतर चल रही खींचतान को दुरुस्त करने का एक सख्त कदम भी है। पवन साय का कार्यकाल छत्तीसगढ़ भाजपा के लिए ऐतिहासिक और उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। एक दशक से भी लंबे समय तक संगठन मंत्री के रूप में उन्होंने कई चुनाव देखे, रणनीतियां बुनीं और कार्यकर्ताओं का एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया। उनके तबादले की सुगबुगाहट राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से थी, लेकिन इस बदलाव के पीछे जो सबसे ठोस कारण उभर कर सामने आ रहा है, वह है सत्ता और संगठन के बीच पनपती गहरी खाई। हाल के समय में यह चर्चा आम हो चली थी कि छत्तीसगढ़ में सत्ता और संगठन के बीच तालमेल का अभाव है। सत्ता और संगठन के बीच संवादहीनता या वर्चस्व की अदृश्य लड़ाई चल रही है। शीर्ष नेतृत्व ने शायद इसी खतरे को भांपते हुए इस बड़े बदलाव को हरी झंडी दी है। अजय जामवाल और पवन साय को क्रमशः मुंबई और झारखंड भेजकर भाजपा ने यह संदेश भी दिया है कि वह अपने अनुभवी रणनीतिकारों का उपयोग उन राज्यों में करना चाहती है, जहां पार्टी को उनके लंबे संगठनात्मक अनुभव की दरकार है। अब सारा दारोमदार नए संगठन मंत्री कर्मवीर के कंधों पर होगा। उनके सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। सबसे पहली और सबसे बड़ी चुनौती उस खाई को पाटने की होगी, जिसकी वजह से यह पूरा फेरबदल हुआ है। कर्मवीर को यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकार और संगठन एक-दूसरे के पूरक बनकर काम करें, न कि प्रतिस्पर्धी बनकर। कार्यकर्ताओं की बात सरकार तक पहुंचे और सरकार की योजनाएं संगठन के जरिए आम जनता तक, इसके लिए एक मजबूत सेतु का निर्माण करना उनका प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। कुल मिलाकर छत्तीसगढ़ भाजपा में हुआ यह फेरबदल केवल चेहरों का बदलाव नहीं है, बल्कि पार्टी की कार्यप्रणाली को पटरी पर लाने और आंतरिक कलह को खत्म करने का एक स्पष्ट संदेश है। अब देखना यह है कि नया संगठनात्मक ढांचा सत्ता और संगठन के बीच वह जरूरी सामंजस्य स्थापित कर पाता है या नहीं, जिसकी उम्मीद में यह पूरी कवायद की गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com